संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-20 अंक- 258
पृष्ठ 8
शुक्रवार
07 जून 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- पलकों पर लगे ज्यादा मस्कारा...

विचार- लोकतंत्र और संविधान की जीत

खेल- यह निश्चित तौर पर मानसिकता से...

नौ जून को नरेंद्र मोदी लेंगे पीएम पद की शपथ, तीसरी बार बनाएंगे सरकार

- जेडीयू और टीडीपी मांग रही है बड़ी हिस्सेदारी
- जेपी नड्डा के आवास पर बैठक में हुई सरकार गठन पर चर्चा
- बीजेपी निभाएगी गठबंधन धर्म

नई दिल्ली, एजेंसी। एनडीए की जीत के बाद केंद्र में एक बार फिर सरकार गठन की तैयारी शुरू हो गई है। मीडिया रिपोर्ट के हवाले से खबर है कि निवर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 जून को पीएम पद की शपथ लेंगे। न्यूज एजेंसी एएनआई के हवाले से खबर है कि 9 जून को शाम 6 बजे नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। बता दें, इससे पहले शपथ ग्रहण की तारीख 8 जून को तय की गई थी। लेकिन मीडिया रिपोर्ट के हवाले से खबर है कि अब तिथि में बदलाव कर इसे नौ जून कर दिया गया है। गौरतलब है कि 18वीं लोकसभा चुनाव में किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। चुनाव नतीजों में बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। हालांकि उसके पास भी पूर्ण बहुमत से 32 सीटें कम हैं। ऐसे में बीजेपी अपने गठबंधन के सहयोगियों के साथ मिलकर सरकार गठन कर रही है। वहीं टीडीपी और जेडीयू का कहना है कि उन्हें हर चार सांसद पर एक मंत्री पद चाहिए। ऐसे में मोदी कैबिनेट 3.0 में अगर सरकार इस शर्त पर बनती है तो टीडीपी को चार और जेडीयू को तीन विभाग देना होगा। इसके अलावा जेडीएस के कुमारस्वामी भी दो मंत्री पद अपने बेटे और दामाद के लिए मांग रहे हैं। इधर, नयी सरकार के गठन को लेकर बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास पर बीजेपी ने नेताओं ने बैठक की। बैठक में सरकार गठन को लेकर चर्चा की गई। बैठक में अमित शाह और राजनाथ सिंह समेत बीजेपी के कई नेता शामिल हुए। इस बैठक में भावी मंत्रिपरिषद के गठन में एनडीए के घटक दलों की भागीदारी सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा हुई।

इधर, मीडिया रिपोर्ट के हवाले से खबर है कि बीजेपी ने कहा है कि वो सहयोगी दलों की हर जायज मांग को मानेगी लेकिन किसी दबाव के आगे नहीं झुकेगी। बयान में कहा गया है कि बीजेपी गठबंधन धर्म का पालन करेगी। खबर है कि बीजेपी निर्दलीय और छोटे दलों के भी संपर्क में है। बीजेपी ने कहा है कि पार्टी गैर जरूरी मांगों के आगे नहीं झुकेगी।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने लगाया जनता दरबार, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को आम जनता से जुड़े कार्यों को समय से पूरा करने की हिदायत देते हुए गुरुवार को कहा कि इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बरदाश्त नहीं की जाएगी। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने यहां बताया कि मुख्यमंत्री ने चुनाव आचार संहिता समाप्त होने के बाद अपने सरकारी आवास पर जनता दर्शन कार्यक्रम किया। इसमें बड़ी संख्या में फरियादी पहुंचे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने एक-एक कर फरियादी के पास पहुंचकर उनकी समस्या जानी और संबंधित अधिकारियों को तत्काल निस्तारण के लिए कहा। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आमजन से जुड़े कार्य निश्चित समय सीमा में हों तथा किसी भी काम में अनदेखी कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनता से जुड़े मुद्दे सरकार की प्राथमिकता में हैं। जनता दर्शन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवा भी पहुंचे। मुख्यमंत्री ने हर युवा से ना सिर्फ उसकी व्यक्तिगत परेशानी पूछी, बल्कि उनसे कई मुद्दों पर बातचीत भी की। युवाओं ने विभिन्न मुद्दों पर आदित्यनाथ से बातें साझा कीं।

चुनाव आयुक्त राष्ट्रपति मुर्मू को सौंपेगा लोकसभा चुनाव में जीत दर्ज करने वाले उम्मीदवारों की सूची

मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार और निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार तथा सुखबीर सिंह संधू राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को उन उम्मीदवारों के नामों की सूची बृहस्पतिवार को सौंपेंगे जिन्होंने लोकसभा चुनाव में जीत दर्ज की है। सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रपति को सूची सौंपे जाने के बाद 18वीं लोकसभा के गठन की औपचारिक प्रक्रिया प्रारंभ होगी। केंद्रीय मंत्रिमंडल की सिफारिश पर राष्ट्रपति ने बुधवार को 17वीं लोकसभा को भंग करने का आदेश दिया था। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के बहुमत हासिल करने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार तीसरी बार सरकार बनाने की राह पर हैं। लोकसभा चुनाव में राजग को 293 सीट मिली हैं, जबकि विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' ('इंडिया') को 234 सीट मिली हैं। राष्ट्रपति को सूची सौंपने के बाद आयोग राजघाट पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित करेगा।

उप्र कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आभार, उनका संघर्ष लाया रंग : प्रियंका

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने पार्टी के उत्तर प्रदेश के कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि उन्हें कई तरह से प्रताड़ित कर भयभीत करने का प्रयास किया गया लेकिन तानाशाह सरकार के सामने वे झुके नहीं और उसी का परिणाम है कि उनका संघर्ष आज रंग लाया है। श्रीमती वाड्रा ने कहा "यूपी कांग्रेस के मेरे सभी साथियों को मेरा सलाम। मैंने आपको धूप और धूल में कड़ी मेहनत करते हुए देखा, आप झुके नहीं, आप रुके नहीं, कठिन से कठिन दौर में बआपने लड़ने की हिम्मत दिखाई।

मोदी ने मेक्सिको में पहली महिला राष्ट्रपति बनी क्लाउडिया शिनबाम को दी बधाई

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेक्सिको मे पहली बार महिला राष्ट्रपति बनी क्लाउडिया शिनबाम को गुरुवार को बधाई दी। इस देश के 200 साल के इतिहास में यह पहला मौका है जब किसी महिला ने देश के राष्ट्रपति पद की बागडोर संभाली है। श्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में आज कहा कि वह दोनों देशों के बीच निरंतर द्विपक्षीय सहयोग की उम्मीद करते हैं। मेक्सिको की पहली महिला राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम को बधाई। यह मेक्सिको के लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि निरंतर सहयोग और साझा प्रगति की उम्मीद है। मेक्सिको सिटी की पूर्व मेयर 61 वर्षीय शिनबाम ने रविवार के चुनाव में 58 से 60 प्रतिशत वोट हासिल किए – जो उनकी मुख्य प्रतिद्वंद्वी, व्यवसायी ज़ोचिटल गैल्वेज़ से लगभग 30 प्रतिशत अंक आगे हैं। सुश्री शिनबाम एक अक्टूबर को अपने गुरु, निवर्तमान राष्ट्रपति एंड्रेस मैनुअल लोपेज़ ओब्रेडोर की जगह पदभार ग्रहण करने जा रहीं हैं। उनका चुनाव न केवल एक महत्वपूर्ण व्यक्तिगत जीत है, बल्कि मेक्सिको में लैंगिक समानता के लिए एक मील का पत्थर भी है, जो पहली बार किसी महिला को देश के सर्वोच्च पद पर बिठाने का प्रतीक है।

चंद्रबाबू ने वरिष्ठ आईएएस, आईपीएस अधिकारियों से मिलने से किया इंकार

विजयवाड़ा, एजेंसी। तेलुगु देशम पार्टी(तेदेपा) सुप्रीमो एन चंद्रबाबू नायडू के यहां उंडावल्ली स्थित आवास पर गुरुवार को बड़ी संख्या में वरिष्ठ आईएएस, आईपीएस अधिकारी और वरिष्ठ नेता उनसे मुलाकात करने पहुंचे हालांकि उन्होंने कई अधिकारियों से मिलने से इंकार कर दिया। सेवानिवृत्त अतिरिक्त डीजीपी एबी वेंकटेश्वर राव ने गुरुवार को नायडू से मुलाकात की। वह छह दिन पहले ही सेवानिवृत्त हुए हैं। पूर्व अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (खुफिया) पीएसआर अंजनेयुलु आज सुबह शिष्टाचार के तौर पर श्री नायडू से मिलने उनके आवास पर गए। सुरक्षा अधिकारियों ने हालांकि उन्हें मिलने की अनुमति नहीं दी, क्योंकि तेदेपा प्रमुख ने उन्हें मिलने का समय नहीं दिया था। इसके बाद श्री अंजनेयुलु वहां से लौट गये। एक अन्य वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी और आईजीपी कोल्ली रघुरामी रेड्डी, जिन्होंने एसआईटी प्रमुख के तौर पर श्री नायडू को कौशल विकास मामले में गिरफ्तार किया था, आज सुबह तेदेपा प्रमुख के आवास पर गए, लेकिन उन्होंने उनसे भी मिलना पसंद नहीं किया। इससे पहले कोल्ली रघुरामी रेड्डी को सभी पदों से हटा दिया गया था और बुधवार को उन्हें पुलिस मुख्यालय में रिपोर्ट करने का निर्देश दिया गया। तेदेपा सूत्रों के अनुसार, कई वरिष्ठ आईएएस और आईपीएस अधिकारियों ने श्री नायडू से फोन पर बात करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने बात करने में अनिच्छा जतायी। गौरतलब है कि कई तेदेपा नेताओं को गिरफ्तार करने वाले तथा वाईएसआरसीपी के कट्टर वफादार के रूप में चर्चित रहे वरिष्ठ आईएएस और आईपीएस अधिकारी अब अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने बताया कि श्री नायडू ने आज नवनिर्वाचित सांसदों के साथ बैठक की और वह कल राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की बैठक में शामिल होने के लिए दिल्ली जा रहे हैं।

जहरीली गैस की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत

सतना, एजेंसी। मध्य प्रदेश के सतना जिले में एक गाय को बचाने के लिए कुएं में उतरे तीन लोगों की संदिग्ध जहरीली गैस की चपेट में आने से मौत हो गई और दो अन्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि यह घटना बुधवार रात उमरी गांव में हुई। नागौद थाना प्रभारी अशोक पांडे ने बताया, ग्रामीणों के एक समूह ने देखा कि एक गाय कुएं में गिर गई है जिसके बाद उनमें से तीन रस्सी के सहारे नीचे उतरे और गाय को बाहर निकाला गया।'' उन्होंने बताया कि कुएं में उतरने के बाद उन्हें सांस लेने में तकलीफ हुई। उनमें से एक व्यक्ति किसी तरह बाहर निकल आया और बेहोश हो गया। इसके बाद ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। पांडे ने बताया कि पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और उनकी मदद से कुछ स्थानीय निवासी गीले कपड़े से मुंह ढककर कुएं में उतरे और अंदर फंसे लोगों को बाहर निकाला।

न्यायालय ने हिमाचल को दिए 137 क्यूसेक अतिरिक्त जल छोड़ने के निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी में जारी जल संकट के बीच उच्चतम न्यायालय ने हिमाचल प्रदेश को 137 क्यूसेक अतिरिक्त जल छोड़ने का निर्देश बृहस्पतिवार को दिया। न्यायमूर्ति पी के मिश्रा और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की अवकाशकालीन पीठ ने कहा कि हिमाचल प्रदेश सरकार को कोई आपत्ति नहीं है और वह उसके पास उपलब्ध अतिरिक्त जल छोड़ने को तैयार है। पीठ ने निर्देश दिया कि हिमाचल प्रदेश द्वारा छोड़े गए अतिरिक्त जल के प्रवाह को हरियाणा सुगम बनाए रखने में मदद करे ताकि जल राष्ट्रीय राजधानी तक पहुंच सके। उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट किया कि दिल्ली सरकार को पानी की बर्बादी नहीं करनी चाहिए। न्यायालय ने हिमाचल प्रदेश को सात जून को अतिरिक्त जल छोड़ने का निर्देश दिया, साथ ही उसे हरियाणा को पहले इसकी जानकारी देनी होगी। सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि पानी पर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 10 जून की तारीख तय की। शीर्ष अदालत दिल्ली सरकार द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें हरियाणा को यह निर्देश देने की मांग की गई थी कि वह हिमाचल प्रदेश द्वारा राष्ट्रीय राजधानी को उपलब्ध कराया जाने वाला अतिरिक्त जल छोड़े ताकि वहां जारी जल संकट को कम किया जा सके। याचिका में केंद्र, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित हरियाणा और कांग्रेस शासित हिमाचल प्रदेश को पक्षकार बनाया गया है और कहा गया है कि जीवित रहने के लिए पानी जरूरी है और यह बुनियादी मानवाधिकारों में से एक है।

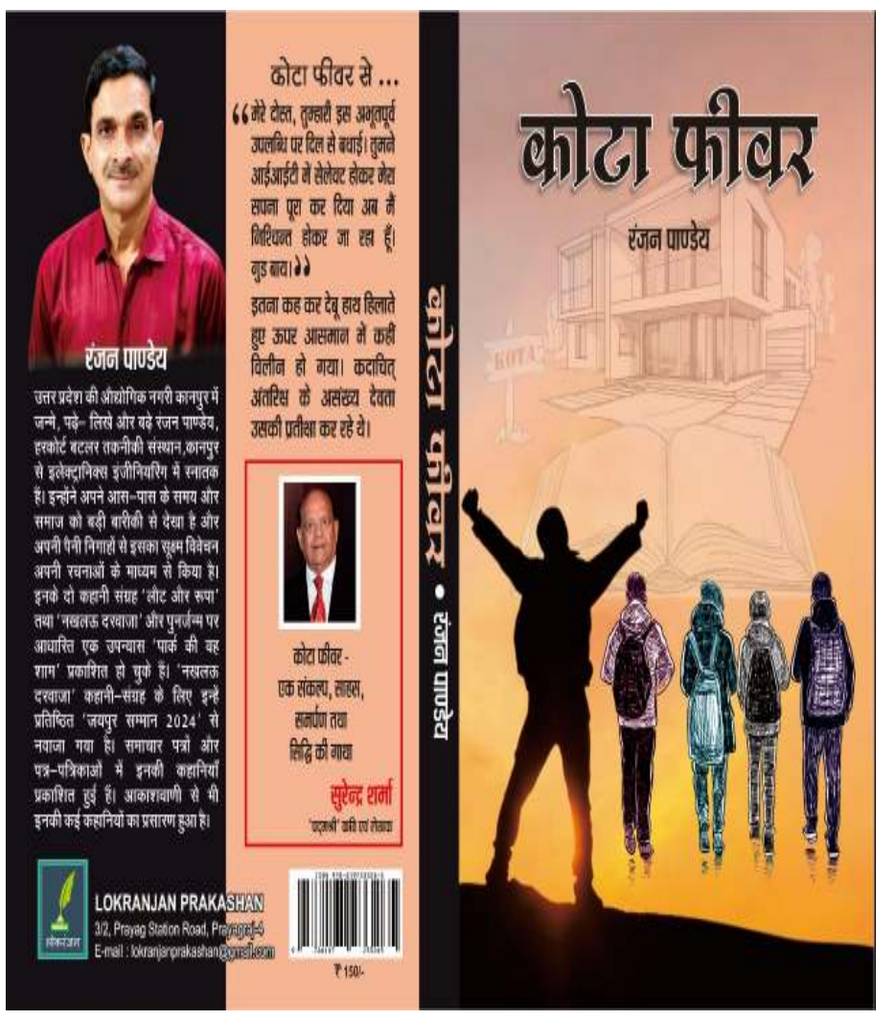

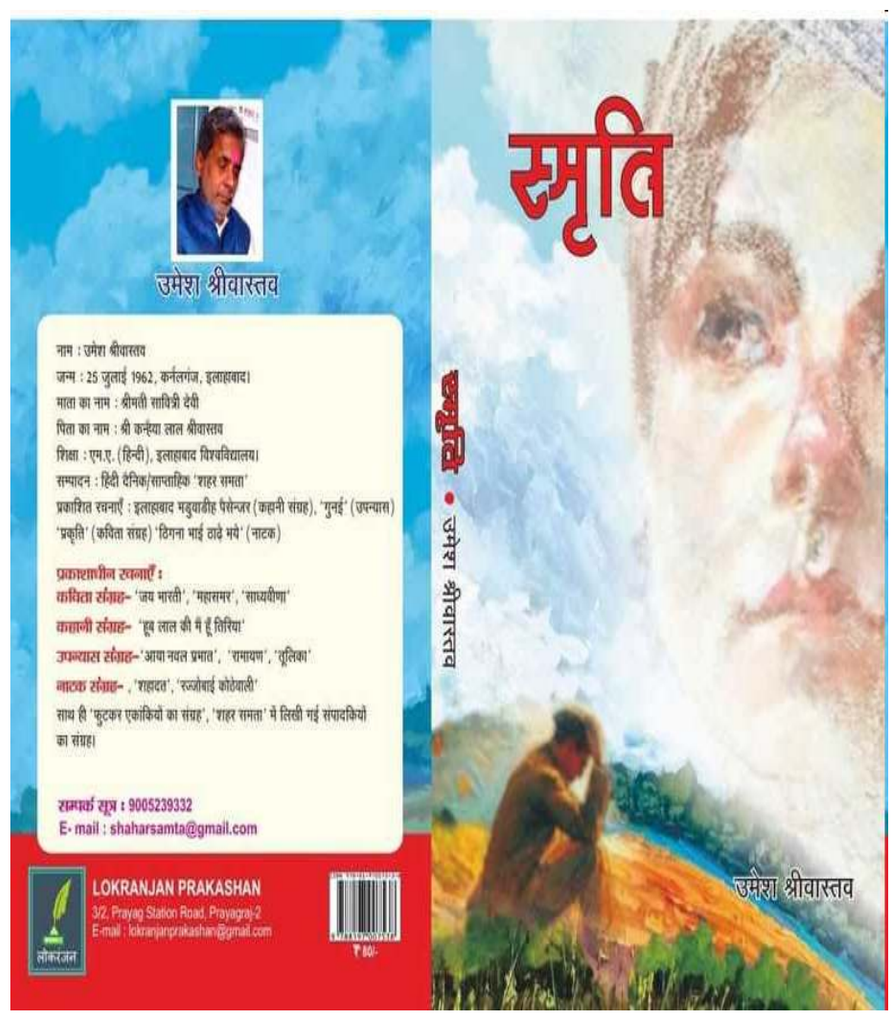

महाकुंभ सामने, विकास कार्यों का दीर्घकालीन मिले लाभ, इस पर रहेगी नजर : उज्ज्वल रमण सिंह

प्रयागराज इलाहाबाद संसदीय सीट से सांसद चुने गए उज्ज्वल रमण सिंह से लोगों को काफी उम्मीदें हैं। यह पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री, विश्वनाथ प्रताप सिंह जैसे बड़े नेताओं का क्षेत्र है। इसके अलावा उनके पिता रेवती रमण सिंह ने भी सांसद एवं विधायक रहते हुए क्षेत्र के विकास के लिए कई काम कराए हैं। उज्जवल गंगा और यमुना नदी के बीच के इस क्षेत्र में विकास की धारा को कैसे आगे लेकर जाएंगे इस पर उनसे विस्तार से बात हुई। प्रस्तुत हैं उसके मुख्य अंश–

आप जीत के प्रति कितना आश्वस्त थे और इसमें किनका प्रमुख सहयोग रहा

लोगों का स्नेह शुरू से मिल रहा था। इसलिए जीत के प्रति पूरी तरह से आश्वस्त था। हर वर्ग के लोगों ने समर्थन दिया। गठबंधन के कार्यकर्ताओं ने अपना चुनाव मानकर साथ दिया। पिताजी (रेवती रमण सिंह) ने 50 वर्षों तक क्षेत्र के लोगों

की सेवा की। पिताजी दो बार सांसद रहे। अब लोगों का वही स्नेह मुझे मिला है। इसके अलावा लोगों में भाजपा की नीतियों को लेकर भी नाराजगी रही, जो जीत में सहायक साबित हुई।

आपकी प्राथमिकताएं क्या होंगी

जनसंपर्क के दौरान लोगों से जो वादे किए थे उसे पूरा करने का हर स्तर पर प्रयास करूंगा।

पहले 100 दिन की क्या योजना है

मेरी सरकार नहीं है। इसलिए 100 दिन में कौन–कौन से काम पूरे हो जाएंगे यह कह पाना मुश्किल है लेकिन महाकुंभ सामने है। अभी पूरे शहर को खोद कर छोड़ दिया गया है। एक महीने में बारिश शुरू हो जाएगी। इसके बाद अक्तूबर में आनन–फानन में काम पूरे कराए जाएंगे। इस पर नजर रहेगी। पूरी कोशिश होगी कि गुणवत्तायुक्त काम हों जिसका दीर्घकाल तक लोगों को लाभ हो।

आपकी नजर में कौन से काम हैं जो जल्द होने चाहिए

प्रयागराज में माघ, कुंभ जैसे आयोजन होते हैं, जिसमें करोड़ों लोग आते हैं। इसलिए ढांचागत विकास के अलावा एम्स होना चाहिए। रोजगार के लिए युवा बाहर जा रहे हैं। इससे शहर का विकास प्रभावित है। इसलिए उद्योग को बढ़ावा मिलना चाहिए। नैनी में उद्योग को फिर से स्थापित करने, कचरी पावर प्लांट को चालू कराने के लिए हर स्तर पर प्रयास करूंगा। उद्योग के साथ ही रोजगार बढ़ेगा।

शहर के विकास को लेकर आपके पास कोई योजना है

पीडीए की ओर से महायोजना–2031 अब भेजा गया है। जबकि, चार साल निकल गए हैं। यह उचित नहीं है। शहर का विस्तार जरूरी है। व्यक्तिगत स्तर पर छोटी–छोटी कॉलोनियां बनाकर प्लाटिंग की जा रही है। ऐसी कॉलोनियों में लोगों को सभी सुविधाएं नहीं मिल पातीं। इसमें जमीन एवं घर लेने वालों के साथ धोखा भी हो रहा है। इसलिए जरूरी है कि नैनी हाईटेक सिटी की तरह शहर के चारों तरफ आवासीय योजनाएं बनाई जाएं।

सरकारी विभागों के मुख्यालयों को रोकने की क्या योजना है

सरकारी विभागों से प्रयागराज की पहचान रही है लेकिन यह पहचान अब धूमिल हो रही है। इसे बचाने के लिए सतत संघर्ष होगा। बांध बनाकर गंगा के पानी को रोका जा रहा है। इससे संगम में जल संकट हो जाएगा। फिर कुंभ कहां होगा। गंगा को मुक्त करने के लिए मैं और पिताजी लगातार संघर्षरत रहे हैं। यह संघर्ष आगे भी जा रहेगा।

मतदान में कर्मचारियों ने आपका साथ दिया है, उनके मुद्दों का क्या होगा

पुरानी पेंशन बहाली कर्मचारियों की पहली मांग है। मैं और मेरी पार्टी भी उनकी इस मांग का समर्थन करती है। पुरानी पेंशन बहाल हो इसके लिए हर स्तर पर लड़ाई लड़ी जाएगी।

आप लोगों से कुछ कहना चाहेंगे

मैंने लोगों से कई वादे किए हैं। लोगों को भी मुझसे काफी उम्मीदें हैं। मैं आश्वस्त करता हूं सभी वादों को पूरा करने के साथ लोगों की उम्मीदों पर पूरी तरह से खरा उतरने की कोशिश करूंगा।

चेकिंग के दौरान पुलिस ने जड़ा थप्पड़, भाकियू कार्यकर्ताओं ने थाने का किया घेराव

प्रयागराज। करेली थाना क्षेत्र के अंतर्गत बख्शी मोढ़ा पुल के पास बुधवार रात उस दौरान हंगामा मच गया, जब चेकिंग के दौरान पुलिस ने भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ता को थप्पड़ जड़ दिया। दोनों करेंहदा से करेली ट्रैक्टर लेकर जा रहे थे।

मामला इस कदर बिगड़ा कि गुस्साए सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने करेली थाने का घेराव कर दिया। देर रात तक थाने में हंगामा चलता रहा। भारतीय किसान यूनियन युवा महासचिव शुभम तिवारी ने बताया कि पार्टी के कार्यकर्ता आशीष और सनी निषाद बुधवार रात ट्रैक्टर लेकर करेंहदा से करेली जा रहे थे। देर रात बक्शी मोढ़ा पुल के पास पहुंचने पर सदी वर्दी में पांच से छह पुलिस कर्मियों ने उन्हें रोक लिया और गाड़ी के कागजात दिखाने को लेकर दोनों को थप्पड़ मार दिया। विरोध करने पर पुलिस दोनों को करेली थाने उठा ले गई। शुभम का आरोप है कि मामले की जानकारी मिलते ही जब वह थाने पहुंचे, तो पुलिस ने उनके साथ भी हाथापाई कर अभद्र व्यवहार किया। पार्टी को भला बुरा कहा। वहीं, दूसरी तरफ हंगामा को बढ़ता देख सादी वर्दी वाले पुलिसकर्मी थाने से नौ दो ग्यारह हो गए। इस संबंध में करेली थाना प्रभारी अमरनाथ राय ने बताया कि ट्रैक्टर चला रहा चालक नाबालिग था। जिस कारण पुलिस कर्मियों ने दस्तावेजों के जांच के लिए ट्रैक्टर को रोका था। मामले की छानबीन की जा रही है, जांच पूरी होने के बाद बनती कार्रवाई की जाएगी।

पति की लंबी उम्र के लिए सुहागिनों ने रखा व्रत

पूजा–अर्चना कर वट वृक्ष की 108 बार परिक्रमा की, फिर जल और प्रसाद ग्रहण किया

प्रयागराज। प्रयागराज में हजारों महिलाओं ने गुरुवार को पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रख पूजा की। पति–परमेश्वर की

दीर्घायु के लिए सुहागिन महिलाओं ने वट सावित्री व्रत रखा है। व्रत रखने वाली महिलाएं विधि विधान से वट वृक्ष के नीचे धूप, दीप, नैवेद्य, फल–फूलों और मेवा–मिष्ठान अर्पित कर भोग लगाया। पूजन के साथ व्रती महिलाओं ने वट वृक्ष का 108 बार परिक्रमा कर पति के दीर्घायु का आशीष मांगा। मां गंगा के निमित्त श्रद्धा के दीप अर्पित किए गए। इस अवसर पर सुहागिनों ने संगम समेत गंगा–यमुना के विभिन्न घाटों पर स्नान–दान किया। संगम नोज पर महिलाओं ने मां की श्रद्धा के निमित्त दीप अर्पित पति के जीवन की रक्षा का वरदान मांगा। जिन महिलाओं के घर के पास वट वृक्ष नहीं थे उन्होंने वट वृक्ष टहनी को आंगन व छत पर स्थापित का व्रत, पूजन किया। व्रत के बारे में मान्यता है कि सावित्री ने अपने पति सत्यवान के जीवन के लिए यमराज की वट वृक्ष के नीचे की थी। संगम के अलावा बलुआघाट, फाफामऊ, नैनी, अरैल, झूंसी आदि घाटों पर महिलाओं ने पहुंच पूजा की।

सपा ने भाजपा के खिलाफ लोगों को गुमराह किया, सपा का चरित्र है झूठा आरोप लगाना : प्रवीण पटेल

प्रयागराज। तमाम उतार चढ़ा के बाद प्रयागराज की फूलपुर सीट पर कमल खिलाने में प्रवीण पटेल सफल रहे। समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी अमरनाथ मौर्या ने यहां बीजेपी को कड़ी टक्कर दी लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। प्रवीण महज 4332 वोटों के अंतर से यह जीत हासिल कर पाए।

नवनिर्वाचित सांसद प्रवीण पटेल से विशेष बातचीत की। उन्होंने कहा सपा के लोग यानी पूरा विपक्ष भाजपा के खिलाफ लोगों को गुमराह करने और भ्रमित करने में लगे रहे। सपा हारने के बाद तरह तरह के आरोप प्रत्यारोप लगाती है, यही उनका चरित्र है।

सवालः अब आप विधायक से सीधे सांसद बन गए हैं। आप अपनी जीत के बारे में क्या कहना चाहेंगे और इसका श्रेय किसको देना चाहेंगे?

जवाबः मैं इसी फूलपुर से विधायक रहा और अब यहां की जनता ने मुझे अपना सांसद चुना है। पार्टी ने मुझे उम्मीदवार बनाया और जनता ने मुझे अपना सांसद। यह जीत मेरी नहीं बल्कि जनता की हुई है।

सवालः आप महज 4332 वोट के अंतर से ही जीते। इसके पीछे आप क्या वजह मानते हैं?

जवाबः यह बात सही है कि कम वोटों से जीत हासिल हुई। दरअसल, हर चुनाव अलग–अलग होता है, मुद्दे और समीकरण भी अलग होते हैं। लोकसभा का चुनाव बहुत बड़ा चुनाव होता है। इसमें 20 लाख लोग वोटर होते हैं। यही कारण है कि हर गांव में हर व्यक्ति तक जा पाना मुश्किल होता है।

विपक्ष लगातार बीजेपी के खिलाफ लोगों को भ्रमित करती रही। हम लोग हर जगह अपनी बात नहीं कह सके।

सवालः वोटों की मार्जिन कम हुई है। नेताओं की नाराजगी की वजह बताई जा रही है। क्या कहेंगे?

जवाब : नहीं, यह बिल्कुल गलत बात है। सभी लोगों ने चुनाव से लेकर मतगणना तक पूरा सहयोग किया है। इस तरह की अफवाह फैलाई जा रही है यह गलत है। सबके सहयोग से ही हमारी जीत हासिल हुई है।

सवालः अमरनाथ मौर्या ने आरोप लगाया कि वह कि वह चुनाव जीते थे लेकिन उन्हें हराया गया है। क्या कहेंगे ?

जवाबः वह गलत आरोप लगा रहे हैं क्योंकि जब मतगणना हो रही थी तो सुबह से हम और अमरनाथ मौर्या खुद वहां पर मौजूद थे। सुबह से लेकर शाम तक तमाम उतार चढ़ा हुए लेकिन हम एक बार भी आरओ के टेबल पर नहीं गए। पूरी तरह से मतगणना निष्पक्ष पूरी हुई है। इस तरह का आरोप सपा हार के बाद लगाती है क्योंकि यही सपा का चरित्र है।

सवालः आपकी प्राथमिकता क्या होगी ? सदन में आप फूलपुर के लिए मुद्दा उठाएंगे?

जवाब : देखिए, फूलपुर देश की बड़ी प्रतिष्ठित सीट है। यहां 3 बार पंडित जवाहर लाल नेहरू सांसद रहे। विजय लक्ष्मी पंडित, राम मनोहर लोहिया और वीपी सिंह जैसे दिग्गज चुनाव लड़े। मेरा प्रयास होगा कि इस क्षेत्र की प्रतिष्ठा बनी रहे। सबसे पहला प्रयास मेरा होगा कि यहां स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत हो। इसके लिए यहां एम्स स्थापित हो यह प्रयास होगा। ताकि बेहतर इलाज के लिए लोगों को दिल्ली और मुंबई न जाना पड़े।

चुनाव खत्म अब महाकुंभ की तैयारी, विकास कार्यो को मिलेगा आधार

प्रयागराज। लोकसभा चुनाव खत्म हो गया है। अब महाकुंभ की तैयारियों का शोर सुनाई देगा। चुनावी आचार संहिता खत्म होने के साथ विकास कार्यों तथा शहर को संवारने के काम को भी पंख लगेंगे।

महाकुंभ–2025 से पहले पूरे शहर तथा आसपास के इलाकों को पूरी तरह से बदलने की तैयारी है। महाकुंभ के मद्देनजर होने वाले ज्यादातर कार्यों की पहले ही अनुमति ली जा चुकी है लेकिन शहर को संवारने तथा विभागों के स्तर पर होने वाले कई अन्य कार्यों को शुरू करने के लिए आचार संहिता खत्म होने का इंतजार है। नगर निगम में रुके कार्यों की बात करें तो नए वित्तीय वर्ष में सड़कों के निर्माण, मरम्मत, गलियों की मरम्मत एवं नाली निर्माण, पार्कों के सुंदरीकरण समेत कई कार्यों के प्रस्ताव मंजूरी के स्तर पर ही लंबित हैं। जलकल में भी स्टील बॉडी वाले 30 टैंकर, पांच ट्रैक्टर आदि की खरीद का निर्णय लिया गया है। प्रशासनिक स्तर पर इसे मंजूरी मिल गई है लेकिन टेंडर आदि की प्रक्रिया बाधित हो गई। बजट स्वीकृत नहीं होने के कारण ग्रामीण विकास के भी कार्य पूरी तरह से रुके हैं। विधायक निधि से होने वाले काम ठप हैं। इसी तरह से अन्य विभागों के भी विकास कार्य प्रभावित हुए हैं लेकिन चुनाव खत्म हो गया है। आचार संहिता खत्म होने के साथ सभी तरह की बाधाएं खत्म हो जाएंगी और विकास कार्यों को गति मिलेगी।

डेयरियों को बाहर करने की आएगी नीति : महाकुंभ से पहले डेयरियों तथा पशु पालकों को शहर से बाहर करने की योजना बनाई गई है। इसके लिए पहल भी की गई लेकिन नीति नहीं होने की वजह से कार्रवाई बीच में ही रोकनी पड़ी। अब आचार संहिता खत्म होने के बाद नई नीति के जल्द आने की उम्मीद है। इसके अलावा आचार संहिता की वजह से किसी तरह की रोक तो नहीं थी लेकिन चुनाव में नाराजगी न बढ़ने पाए इसके लिए अतिक्रमण के खिलाफ अभियान, आवारा पशुओं को बाहर करने समेत कई तरह की कार्रवाइयां रोक दी गई हैं। इसी तरह से रोक नहीं होने के बावजूद कई विकास कार्यों के शिलान्यास आदि नहीं हो पा रहे लेकिन अब यह दबाव भी खत्म हो गया है।

मिलेगा योजनाओं का लाभ : लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आचार संहिता 16 मार्च को लागू हुई थी। ऐसे में वित्तीय वर्ष खत्म होने के बाद विभागों को नए सिरे से बजट जारी नहीं हो पाए। सिर्फ आवश्यक कार्यों के लिए पैसा मिला। यहां तक कि विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों के खाते में भी पैसा नहीं पहुंचा है।

प्रयागराज में नशे के इंजेक्शनों की खेप पकड़ी गई

नशीली दवाओं, इंजेक्शनों की सप्लाई करने वाले गैंग का खुलासा, छात्रों को लगा रहे थे नशे की लत

प्रयागराज प्रयागराज में नशे के सौदागरों के एक गैंग का खुलासा हुआ है। एंटी नॉरकोटिक्स टास्क फोर्स प्रयागराज जोन की टीम ने छापेमारी कर गैंग के एक बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से बड़े पैमाने पर नशीली दवाओं, इंजेक्शनों

की बरामदगी की है। टीम ने LEEGESIC INJECTION 2ml की खेप पकड़ी है। 1200 शीशी के अलावा AVIL INJECTION 10ml 450 शीशी, 100 डिस्पोजल सिरिंज, 500 निडिल्स बरामद किया है। नशीले इंजेक्शनों का मुख्य सप्लायर और उसका एक साथी फरार है। पकड़े गए राजेश कुमार गुप्ता के पास से 16000 रुपये बरामद हुए हैं। यह रुपये नशीले इंजेक्शन बेचकर कमाए गए थे। धरपकड़ बुधवार देर रात की गई। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स के इंचार्ज अतुल कुमार सिंह ने बताया कि यह गिरोह प्रयागराज जिले में ऐसी इंजेक्शन और दवाओं की सप्लाई कर रहा था, जिससे नशा हो। इंजेक्शन बड़े पैमाने पर राजस्थान के जयपुर शहर से यहां लाकर बेचे जा रहे थे। गिरोह का मुखिया आशु इन दिनों जयपुर में है। वहीं से इंजेक्शन की खेप प्रयागराज भेज रहा था। उसके साथ शनि भारतीय नाम का तस्कर भी है। दोनों की गिरफ्तारी को छापेमारी की जा रही है।

युवाओं, कान्वेंट स्कूलों के छात्रों को दे रहे थे इंजेक्शन वाला नशा : प्रयागराज में नशे के इंजेक्शन की सप्लाई करने वाला यह गैंग अपने जाल में युवाओं को फंसाए था। शराब आदि अन्य नशा करने से उनकी पकड़ हो जाती है। ऐसे में इस गिरोह ने युवाओं और कान्वेंट स्कूल के छात्रों को अपने जाल में फंसाकर इंजेक्शन के जरिए नशा करने की लत लगा दी। पकड़े गए धंधेबाज ने पूछताछ में कबूल किया है कि उसके ग्राहकों में काफी संख्या में छात्र हैं।

एक गिरफ्तार, तीन नामजद : छापेमारी के बाद टास्क फोर्स ने पकड़े गए राजेश कुमार गुप्ता पुत्र मनोज गुप्ता निवासी 131C/5B अबुबकरपुर को धूमनगंज थाने की पुलिस के हवाले कर दिया। जबकि एफआईआर में दो को नामजद किया है। इसमें आशु तंबाकू वाली गली कीडगंज और शनि ताड़बाग धूमनगंज हैं। आशु की लोकेशन जयपुर मिली है। जयपुर में उसे इंजेक्शनों की सप्लाई देने वाले की तलाश भी जारी है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि 70 रुपये कीमत का इंजेक्शन 250 रुपये में बेच रहे थे।

NDPS ACT समेत अन्य धाराओं में केस : मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले मुखबिरों की सूचना पर यह गिरफ्तारी हो सकी। धूमनगंज इलाके में NCR बिल्डिंग के पास अन्डरग्राउन्ड रेलवे ब्रिज के नीच नशीला इन्जेक्शन सप्लाई करने के लिए राजेश गुप्ता खड़ा था। तभी टीम ने उसे दबोच लिया। ड्रग इंस्पेक्टर संतोष कुमार पटेल, धूमनगंज थाने की टीम भी मौके पर बुलाई गई। आरोपियों के खिलाफ छक्चै ।ब्ज समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज हुआ है।

इलाहाबाद सीट पर भितरघात से मिली पराजय, हाईकमान से होगी शिकायत

प्रयागराज। इलाहाबाद सीट पर मिली हार के कारणों की समीक्षा में भाजपा जुट गई है।

इस सीट पर हार की वजह भितरघात मानी जा रही है। इस मामले में पार्टी के कई दिग्गजों की भूमिका की शिकायत पार्टी हाईकमान से की जाएगी। 25 मई को हुए मतदान के बाद ही चुनाव प्रभावित करने वाले कुछ दिग्गजों के नाम भाजपा प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी ने हाईकमान तक पहुंचा भी दिए हैं। उधर फूलपुर लोकसभा भाजपा भले ही किसी तरह जीत गई हो लेकिन वहां भी भितरघात के आरोप पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेताओं पर लगे हैं। प्रयागराज की इलाहाबाद और फूलपुर लोकसभा सीट पर प्रत्याशी के नाम की घोषणा होने के बाद ही तमाम नेताओं में खींचतान बढ़ गई थी। संगठन सर्वोपरि का दावा करने वाली भाजपा में इस बार जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं की उपेक्षा का भी आरोप लगा। दोनों ही सीट से काफी संख्या में टिकट के लिए लोगों ने आवेदन किया, लेकिन पार्टी नेतृत्व में निवर्तमान सांसद डा. रीता बहुगुणा जोशी एवं केशरी देवी पटेल का टिकट काटकर इलाहाबाद और फूलपुर लोकसभा से क्रमशरू नीरज त्रिपाठी और प्रवीण पटेल पर भरोसा जताया। इसके बाद से ही टिकट न मिलने की नाराजगी तमाम नेताओं ने दिखाई। हालांकि किसी ने सीधे विरोध नहीं किया, लेकिन पर्दे के पीछे से उन नेताओं के भितरघात की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा रहा। दोनों ही लोकसभा में प्रचार एवं रणनीति बनाने का भी काम पटरी से उतरा नजर आया। भाजपा संगठन की बात करें तो यमुनापार एवं महानगर के पदाधिकारियों ने बैठकें तो बहुत की, लेकिन मतदान के दिन आलम ये था कि यमुनापार के तमाम बूथों पर से भाजपा के बस्ते तक भी दिखाई नहीं दिए। यही हाल शहर के कुछ मुस्लिम बूथों के बाहर दिखा। वहां भी भाजपा के बस्ते नहीं दिखाई दिए। कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, पूर्व मेयर अभिलाषा, पूर्व मंत्री एवं विधायक सिद्धार्थनाथ सिंह, निवर्तमान सांसद केशरी देवी पटेल, पूर्व विधायक नीलम करवरिया की भी चुनाव के दौरान सक्रियता कम दिखी। निवर्तमान सांसद डा. रीता बहुगुणा जोशी की बात करें तो टिकट कटने के बावजूद भी उन्होंने नीरज के समर्थन में इलाहाबाद संसदीय क्षेत्र में 44 सभाएं की। इस बीच भाजपा संगठन के भी तमाम नेताओं ने यहां कैंप किया। गुजरात से हार्दिक पटेल, हरियाणा से सांसद संजय भाटिया, सांसद राधा मोहन अग्रवाल, कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर आदि ने यहां काफी समय भी बिताया, लेकिन चार जून को जो नतीजे आए वह कहीं न कहीं भाजपा के लिए चौंकाने वाले ही साबित रहे।

बेदखली सूचना

सर्वाधारण को सूचित किया जाता है कि **मैं अपने पुत्रगण सर्फ़राज आलम, इरफान आलम व बहू करिश्मा खान** से लड़ाई झगड़ा व मारपीट से तंग आकार, **मैं अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति से बेदखल करती हूँ** । इन लोगों के द्वारा किए गाये कार्य की ज़िम्मेदारी इन लोगों की स्वयं की होगी ।

हसीना बेगम
पत्नी मंजर आलम
निवासिनी सेमरा कल्यना
थाना घूरपुर तहसील बारा
जिला प्रयागराज।

बेदखली सूचना

सर्वाधारण को सूचित किया जाता है कि **मैं अपने पुत्र मो0 आरिफ़** जो हम परिवार के कहने मे नहीं रहता है और आए दिन लड़ाई -झगड़ा करता रहता है जिससे हमारी सामाजिक प्रतिष्ठा धूमिल होती रहती है, मो0 आरिफ़ के कृत्यों से तंग आकर मैं **अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति से बेदखल करता हूँ** । यदि मो0 आरिफ़ कोई भी गलत कार्य या लेन-देन करता है, तो उसकी स्वयं की ज़िम्मेदारी होगी ।

मुस्तफा पुत्र आबिद
निवासी ग्राम जमुनीपुर
थाना होलागढ़
तहसील सोरांव
जनपद प्रयागराज।

बेदखली सूचना

सर्वाधारण को सूचित किया जाता है कि अपने **पुत्र मो0 गुफरान व उसकी पत्नी गुलनाज बानो** जो हम परिवार के कहने मे नहीं रहते है और आए दिन लड़ाई-झगड़ा करते रहते है जिससे हमारी सामाजिक प्रतिष्ठा धूमिल होती रहती है , **इस तरह के कार्य से तंग आकर मैं अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति से बेदखल करती हूँ** । यदि मो0 गुफरान व पुत्रवधू गुलनाज बानो व इनका पुत्र मो0 अली उर्फ अब्दुल रहमान व मो0 हमज़ा किसी से लेन-देन या गैर कानूनी कार्य करते है तो इन
लोगों की स्वयं की ज़िम्मेदारी होगी। मुझसे एवं परिवार के अन्य सदस्यों से कोई संबंध नही है और न ही भविष्य मे रहेगा ।

जाकिरा बेगम
पत्नी मो0 इस्माइल
पुत्री हाजी अब्दुल गफ्फार
निवासिनी बी 1067/3
जी0 टी0 बी0 नगर,
करैली, थाना करैली
जनपद प्रयागराज ।

अदालती नोटिस

न्यायलय सिविल जज (क0 श्रे0) गर्वी इलाहाबाद द्वारा निकली गयी उद्घोषणा

उत्तराधिकार वाद संख्या 129 **सन 2024**

1- **अनिल यादव** उम्र लगभग 54 वर्ष पुत्र स्व0 मोती लाल यादव स्थायी निवासी मकान नं0 283, नारायण सिंह नगर (बादशाही मण्डी), इलाहाबाद। पिन कोड 211003

...वादी

बनाम

1- **अशोक यादव** उम्र लगभग 48 वर्ष पुत्र स्व मोती लाल यादव स्थायी निवासी मकान नं. 283, नारायण सिंह नगर (बादशाही मण्डी) इलाहाबाद। पिनकोड-211003

2- **सुधीर यादव** उम्र लगभग 36 वर्ष पुत्र स्व.मोती लाल यादव स्थायी निवासी मकान नं. 283, नारायण सिंह नगर (बादशाही मण्डी), इलाहाबाद। पिन कोड-211003

3 - **कु. पूनम यादव** उम्र लगभग 35 वर्ष पुत्री (अविवाहित) स्व0मोती लाल यादव स्थायी निवासी मकान नं 283, नारायण सिंह नगर (बादशाही मण्डी) इलाहाबाद । पिन कोड-211003

4- **सुनील यादव** उम्र लगभग 30 वर्ष पुत्र स्व.मोती लाल यादव स्थायी निवासी मकान नं. 283, नारायण सिंह नगर (बादशाही मण्डी), इलाहाबाद, पिनकोड-211003

...विपक्षीगन

अपने भाई सुशील यादव मृतक के वारिसान को देय ऋण और प्रतिभूतियाँ वसूल करने के लिए प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिए सन 1989 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन का आवेदन के लिए ।

चूंकि न्यायालय उक्त से प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिए आवेदन दिया है और सन 2024 के 07 का 30 दिवस आवेदन की सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को वाद उपरोक्त के आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति को वह स्वयं या अधिवक्ता द्वारा 10 बजे पूर्वाह्न न्यायालय सिविल जज (क0श्रे.) गर्वी इलाहाबाद मे नियत दिनांक पर उपसजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायगी और आवेदन के सम्बन्ध यथोचित आदेश पारित होगा ।

नियत तिथि - 30-07-2024

न्यायालय

संक्षिप्त

रुपया शुरुआती कारोबार में एक पैसे की बढ़त के साथ 83.43 प्रति डॉलर पर

कमजोर अमेरिकी मुद्रा और सकारात्मक घरेलू शेयर बाजारों के समर्थन से रुपया बृहस्पतिवार को शुरुआती कारोबार में एक पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.43 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतों में तेजी ने भारतीय मुद्रा की वृद्धि को रोका। शुक्रवार को घोषित होने वाली भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति के फैसले से पहले निवेशक भी सतर्क हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.40 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद फिसलकर 83.43 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले एक पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.44 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 104.06 पर रहा। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.38 प्रतिशत की बढ़त के साथ 78.71 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। बीएसई का 30 शेयर वाला सूचकांक सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 303.91 अंक की बढ़त के साथ 74,686.15 अंक पर आ गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) पूंजी बाजार में बुधवार को बिकवाल रहे और शुद्ध रूप से 5,656.26 करोड़ रुपये की कीमत के शेयर बेचे।

एनडीए को मिला ग्रीन सिग्नल, बाजार में लौटी रौनक

शेयर बाजार में मंगलवार को आए चुनावी नतीजों के बाद बुधवार को तेजी देखने को मिली थी, जो गुरुवार को भी जारी रही है। गुरुवार को शेयर बाजार और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का 30 शेयरों वाला मदेम• करीब 700 अंक ऊपर कारोबार कर रहा है। सेंसेक्स का स्तर 75000 के पार पहुंच गया है। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 भी 150 अंकों से अधिक पर कारोबार कर रहा है। शेयर मार्केट में सुबह 9.15 बजे पर कारोबार की शुरुआत हरे निशान पर हुई। बीएसई सेंसेक्स इस दौरान 696 अंकों के उछाल के साथ काम कर रहा था। इस

दौरान सेंसेक्स 75,078 के स्तर पर खुला था वहीं एनएसई निफ्टी भी सेंसेक्स हरे निशान पर बढ़ रहा था। एनएसई निफ्टी 178 अंकों की तेजी के साथ 22,798 के स्तर पर शुरू हुआ है। जैसे ही इस दिन बाजार खुला वैसे ही बीएसई के 22 शेयर हरे निशान पर कारोबार करते दिखे जबकि आठ शेयर लाल लाल निशान पर थे। वहीं इस दौरान एनटीपीसी के शेयर सबसे अधिक चढ़े थे। शुरुआती कारोबार में इसमें 3.72 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली थी। सेंसेक्स और निफ्टी में बृहस्पतिवार को शुरुआती कारोबार में तेजी आई। भारतीय जनता पार्टी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के नेताओं के सर्वसम्मति से नरेन्द्र मोदी को अपना नेता चुनने के बीच लगातार दूसरे सत्र में बाजार में तेजी जारी रही। पिछले सत्र की तेजी को जारी रखते हुए 30 शेयर वाला बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 696. 46 अंक चढ़कर 75,078.70 अंक पर पहुंच गया। वहीं एनएसई निफ्टी 179.15 अंक की बढ़त के साथ 22,799.50 अंक पर रहा। सेंसेक्स में सूचीबद्ध 30 कंपनियों में से एनटीपीसी, भारतीय स्टेट बैंक, पावर ग्रिड, टाटा स्टील, टेक महिंद्रा और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयरों में सबसे अधिक तेजी आई। हिंदुस्तान यूनिलीवर, नेस्ले, सन फार्मा और एशियन पेंट्स के शेयरों को नुकसान हुआ। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, हांगकांग का हैंगसेंग और जापान का निक्की फायदे में रहे जबकि चीन का शंघाई कम्पोजिट नुकसान में रहा। अमेरिकी बाजार बुधवार को सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.38 प्रतिशत की बढ़त के साथ 78.71 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) पूंजी बाजार में बुधवार को बिकवाल रहे और शुद्ध रूप से 5,656.26 करोड़ रुपये की कीमत के शेयर बेचे।

सेबी ने सीधे ग्राहकों के खातों में प्रतिभूति भुगतान को अनिवार्य किया

नयी दिल्ली । बाजार नियामक सेबी ने बुधवार को ग्राहकों के खाते में प्रतिभूतियों के सीधे भुगतान की प्रक्रिया को अनिवार्य बनाने का निर्णय लिया। परिचालन दक्षता बढ़ाने और ग्राहकों की प्रतिभूतियों के जोखिम को कम करने के लिए यह कदम उठाया गया है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक परिपत्र में कहा कि यह 14 अक्टूबर से प्रभावी होगा। वर्तमान में, समाशोधन निगम प्रतिभूतियों के भुगतान को ब्रोकर के खाते में जमा करता है। उसके बाद इसे संबंधित ग्राहक के डीमैट खातों में जमा किया जाता है। सेबी ने शेयर बाजारों, समाशोधन निगम और डिपॉजिटरी के साथ व्यापक विचार–विमर्श के बाद फैसला किया है, ''भुगतान के लिए प्रतिभूतियां समाशोधन निगम सीधे संबंधित ग्राहक के डीमैट खाते में जमा करेगा।'' इसके अलावा, समाशोधन निगमों को मार्जिन ट्रेडिंग सुविधा के तहत बिना भुगतान वाली प्रतिभूतियों और वित्तपोषित शेयरों की पहचान करने के लिए कारोबारी सदस्य या समाशोधन सदस्यों (सीएम) के लिए एक व्यवस्था प्रदान करनी चाहिए। सेबी ने सुझाव दिया है कि 'पोजिशन' के स्तर पर अगर कोई कमी रहती है तो कारोबारी सदस्य या समाशोधन सदस्यों को नीलामी की प्रक्रिया के माध्यम से इसका निपटान करना चाहिए। इसके अलावा, ऐसे मामलों में ब्रोकर को समाशोधन निगम की तरफ से लगाए गए शुल्क के अलावा ग्राहक पर कोई शुल्क नहीं लगाना चाहिए।

यह निश्चित तौर पर मानसिकता से जुड़ा है, भारत के आईसीसी खिताब नहीं जीत पाने पर बोले पोंटिंग

भारत ने आखिरी बाद 2013 में चौम्पियंस ट्रॉफी के रूप में आईसीसी खिताब जीता था। भारतीय टीम ने टी20 विश्व कप में न्यूयॉर्क में आयरलैंड को हराकर शानदार शुरूआत की। न्यूयॉर्क से पीटीआई से बातचीत में पोंटिंग ने कहा कि भारतीय टीम को अपने प्रशंसकों के जबर्दस्त दबाव से निपटने का तरीका तलाशना होगा।

रिकी पोंटिंग की कप्तानी वाली आस्ट्रेलियाई टीम को आईसीसी टूर्नामेंटों में सही समय पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का शऊर बखूबी आता था और दो बार के विश्व कप विजेता कप्तान का मानना है कि भारत को भी आईसीसी खिताब का सूखा दूर करने के लिये मानसिक बाधाओं से पार पाकर ऐसा ही कुछ करना होगा। क्रिकेट की महाशक्ति भारत ने आखिरी बाद 2013 में चौम्पियंस ट्रॉफी के रूप में आईसीसी खिताब जीता था। भारतीय टीम ने टी20 विश्व कप में न्यूयॉर्क में आयरलैंड को हराकर शानदार शुरूआत की। न्यूयॉर्क से पीटीआई से बातचीत में पोंटिंग ने कहा कि भारतीय टीम को अपने प्रशंसकों के जबर्दस्त दबाव से निपटने का तरीका तलाशना होगा। उन्होंने कहा ,'' आपको स्पष्ट रहना होगा कि आपका फोकस टूर्नामेंट पर है , ना कि बाहरी दबाव के बारे में चिंता करने पर या बहुत अधिक आगे की सोचने पर।'' उन्होंने कहा ,'' भारतीय टीम में प्रतिभा की कमी नहीं है लेकिन हमें यह भी नहीं भूलना चाहिये कि विश्व कप जीतना आसान नहीं होता। एक ही समय में दुनिया के सभी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी इसमें खेलते हैं।'' ऑस्ट्रेलिया को बतौर कप्तान 2003 और 2007 विश्व कप दिलाने वाले पोंटिंग ने कहा ,''इसका संबंध मानसिकता से है। आप दबाव का सामना कैसे करते हैं। दबाव के हालात में आप कैसे सोचते हैं, इसी में जीत और हार का अंतर होता है।'' उन्होंने कहा ,'' विश्व कप में आपके सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को हर समय अच्छा खेलना होता है। आस्ट्रेलियाई टीमें बड़े टूर्नामेंटों में सही समय पर अच्छा प्रदर्शन करना जानती रहीं हैं।'' छह महीने पहले आस्ट्रेलिया ने सही समय पर अच्छा प्रदर्शन करते हुए पैट कमिंस की कप्तानी में वनडे विश्व कप जीता था। भारतीय टीम के पास आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड या दक्षिण अफ्रीका जैसे पावर हिटर भले ही नहीं हो लेकिन पोंटिंग का मानना है कि वेस्टइंडीज के हालात में खेलने के लिये उनके पास पर्याप्त प्रतिभा है। नॉकआउट मैच वेस्टइंडीज में होने हैं। पोंटिंग ने कहा ,'' सब कुछ पावर हिटिंग ही नहीं होता, स्ट्राइक रेट भी अहम है। भारतीय बल्लेबाजों का स्ट्राइक रेट किसी से कम नहीं है। आस्ट्रेलिया के पास मार्श, स्टोइनिस, मैक्सवेल या कैमरन ग्रीन हैं तो दक्षिण अफ्रीका के पास स्टब्स, क्लासेन या डेविड मिलर हैं। इनके पास ताकत है लेकिन भारतीय टीम में देखें तो सूर्यकुमार यादव किसी भी मैदान पर रन बनाने में सक्षम है।'' उन्होंने कहा ,'' ऋषभ पंत अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। उनके पास हार्दिक पंड्या भी है। उनकी बल्लेबाजी बाकी टीमों की तरह ही खतरनाक है। मुझे लगता है कि आस्ट्रेलिया, भारत, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका सेमीफाइनल खेलेंगे। दक्षिण अफ्रीका की यह टीम काफी मजबूत लग रही है। अगर इन चारों टीमों में से कोई खिताब नहीं जीतता है तो मुझे हैरानी होगी।

हरफनमौला स्टोइनिस के शानदार प्रदर्शन से आस्ट्रेलिया ने ओमान को हराया

स्टोइनिस ने 36 गेंद में नाबाद 67 रन बनाये जिसकी मदद से आस्ट्रेलिया ने पांच विकेट पर 164 का स्कोर बनाया। डेविड वॉर्नर ने भी 56 रन की पारी खेली। इसके बाद स्टोइनिस ने तीन ओवर में 19 रन देकर तीन विकेट चटकाये।

ब्रिजटाउन। मार्कस स्टोइनिस के आक्रामक अर्धशतक और तीन विकेट की बदौलत गत चौम्पियन आस्ट्रेलिया ने टी20 विश्व कप में अपने अभियान का आगाज बृहस्पतिवार को ओमान पर 39 रन से जीत के साथ किया। स्टोइनिस ने 36 गेंद में नाबाद 67 रन बनाये जिसकी मदद से आस्ट्रेलिया ने पांच विकेट पर 164 का स्कोर बनाया। डेविड वॉर्नर ने भी 56 रन की पारी खेली। इसके बाद स्टोइनिस ने तीन ओवर में 19 रन देकर तीन विकेट चटकाये। ओमान की टीम 20 ओवर में नौ विकेट पर 125 रन ही बना सकी। आस्ट्रेलिया के लिये नाथन एलिस ने 28 रन देकर और आईपीएल स्टार मिचेल स्टार्क ने 20 रन देकर दो दो विकेट लिये। स्टार्क ने ओमान की पारी की तीसरी गेंद पर प्रतीक अठावले (0) को आउट कर दिया। मैदानी अंपायर द्वारा नॉट आउट दिये जाने के बाद आस्ट्रेलिया ने डीआरएस लिया जिसमें फैसला उसके पक्ष में रहा। एलिस ने कश्यप प्रजापति (सात) को पगबाधा आउट किया जिस पर ओमान ने रिव्यू लिया लेकिन नाकामी हाथ लगी। स्टोइनिस ने पावरप्ले की आखिरी गेंद पर ओमान के कप्तान आकिब इलयास (18) को आउट किया जिनका कैच विकेट के पीछे मैथ्यू वेड ने लपका। स्टोइनिस ने जीशान मकसूद (1) को आठवें ओवर में पवेलियन भेजा। अयान खान ने 30 गेंद में दो चौकों और दो छक्कों की मदद से 36 रन बनाये और सातवें विकेट के लिये 37 रन की साझेदारी की। इससे पहले बल्लेबाजी के लिये भेजे जाने पर आस्ट्रेलिया ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 164 रन बनाये। ट्रेविस हेड (12) और कप्तान मिचेल मार्श (14) सस्ते में आउट हो गए। अनुभवी

हरफनमौला ग्लेन मैक्सवेल का खराब फॉर्म जारी रहा जो खाता भी नहीं खोल सके। मेहरान की गेंद पर इलयास ने उनका बेहतरीन कैच लपका। स्टोइनिस और वॉर्नर ने चौथे विकेट के लिये 64 गेंद में 102 रन जोड़े। आस्ट्रेलिया का स्कोर एक समय तीन विकेट पर 50 रन था जिसके बाद इन दोनों ने पारी को संभाला। वॉर्नर 56 रन की पारी के साथ ही टी20 क्रिकेट में आस्ट्रेलिया के लिये सर्वाधिक रन (3,120)बनाने वाले बल्लेबाज हो गए जिन्होंने पूर्व कप्तान आरोन फिंच को पछाड़ा। दूसरी ओर स्टोइनिस ने 36 गेंद की अपनी पारी में दो चौके और छह छक्के लगाये। ओमान के लिये मेहराल खान ने दो विकेट लिये जबकि बिलाल खान और कलीमुल्लाह को एक एक विकेट मिला। इलयास ने चार ओवर में सिर्फ 18 रन दिये लेकिन उन्हें विकेट नहीं मिल सकी।

अर्शदीप सिंह का बयान, कहा– 'सीम डालने की पूरी कोशिश की लेकिन गेंद स्विंग ले रही थी'

तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने कहा कि आयरलैंड के खिलाफ मैच में उन्होंने अपनी रणनीति पर अडिग रहने पर ही फोकस किया चूंकि 'ड्रॉप इन' पिच पर गेंद पर नियंत्रण रख पाना कठिन हो रहा था। भारत ने आयरलैंड को 16 ओवर में 96 रन पर समेटने के बाद 12.2 ओवर में लक्ष्य हासिल किया। अर्शदीप ने स्वीकार किया कि स्विंग पर नियंत्रण रखना मुश्किल हो रहा था और उन्होंने इसके लिये जसप्रीत बुमराह से सलाह ली। उन्होंने कहा ,'' मैने डगमगाती सीम से गेंद डालने की पूरी कोशिश की लेकिन गेंद इतनी स्विंग हो रही थी कि यह हो नहीं पा रहा था। मेरी कई गेंद वाइड गई।'' पांच वाइड गेंद डालने वाले अर्शदीप ने सलामी बल्लेबाज एंडी बालबर्नी और कप्तान पॉल स्टर्लिंग के विकेट लिये। अर्शदीप ने कहा, 'जस्सी भाई (बुमराह) के पास

काफी अनुभव है और वे हमें कहते रहते हैं कि विकेट के पीछे मत भागो। सही जगह पर गेंद डालो। इससे चाहे रन रोकने में मदद मिले या विकेट मिले।'' उन्होंने कहा, ''नियंत्रण का मतलब है कि लालच में नहीं पड़ना है और विकेट के पीछे नहीं भागना है। आसमान में बादल घिरे थे और गेंद स्विंग ले रही थी। शुरूआत में रणनीति यही थी कि इसका फायदा उठाना है और अगर आयरलैंड के बल्लेबाज गलती करते हैं तो हमें विकेट भी मिल जायेंगे।'' नासाउ काउंटी की पिच को लेकर काफी आलोचना हो रही है। अर्शदीप ने कहा ,'' मैं यहां आईपीएल खेलने के बाद आया हूं जिसमें 240 रन भी बन रहे थे। जब हम पिच की बात करते हैं तो फोकस इस पर रहना चाहिये कि हमारे नियंत्रण में क्या है क्योंकि पिच तो दोनों टीमों के लिये समान है। जो टीम बेहतर करेगी, उसे बेहतर नतीजा मिलेगा।'' उन्होंने इन खबरों का भी खंडन किया कि ड्रेसिंग रूम में सावधान होकर खेलने की बात चल रही थी ताकि चोटों से बचा जा सके। उन्होंने कहा ,'' इस तरह की कोई बात नहीं हुई। टूर्नामेंट के बीच में हालात के बारे में नहीं सोचा जाता। अगर कैच लेना है तो लेना है। हम यह नहीं सोचते कि चोट से बचना है। हम हर मैच में इसी तरह खेलेंगे। सामने कौन सी टीम है, इससे फर्क नहीं पड़ता।

खाद्य उद्योग को अधिक जिम्मेदार होना चाहिए, खेप लौटने पर बदनामी होती है : सचिव

नयी दिल्ली। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग सचिव अनीता प्रवीण ने खाद्य कंपनियों से थोड़ा अधिक जिम्मेदार बनने को कहा है। प्रवीण ने बुधवार को कहा कि जब भी कोई खाद्य खेप गुणवत्ता संबंधी चिंता के कारण लौटाई जाती है, तो इससे भारत की बदनामी होती है। उद्योग मंडल फिक्की के 'फूडवर्ल्ड इंडिया 2024' को संबोधित करते हुए उन्होंने उद्योग से अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों को पूरा करते हुए घरेलू और विदेशी बाजारों में उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों की आपूर्ति करने को कहा। सचिव ने इस बात पर प्रकाश डाला कि खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है और रोजगार के बड़े अवसर प्रदान करता है। प्रवीण ने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र किसानों की आय में सुधार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि भारत प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का एक बड़ा बाजार है और इसलिए कई वैश्विक कंपनियां इस क्षेत्र में उतरने की रुचि रखती हैं। प्रवीण ने कार्यक्रम में भाग लेने वाली खाद्य कंपनियों के वरिष्ठ प्रबंधन से कहा, ''हमें आपूर्तिकर्ता बनना चाहिए, न कि किसी और को ऐसा करने देना चाहिए। यह सुनिश्चित करना हमारे उद्योग की जिम्मेदारी है कि आपूर्ति न केवल मात्रा में बल्कि गुणवत्ता में भी बनी रहे।'' सचिव

ने इस बात पर खेद जताया कि खाद्य पदार्थों के साथ–साथ प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के वैश्विक निर्यात बाजार में देश की हिस्सेदारी बहुत कम है। उन्होंने खाद्य कंपनियों से उत्पादों की गुणवत्ता से समझौता किए बिना निर्यात बाजारों पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। उन्होंने कहा कि भारत को केवल प्रवासी भारतीयों को ही नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर सभी उपभोक्ताओं को सेवा प्रदान करनी चाहिए। गुणवत्ता के बारे में बात करते हुए प्रवीण ने कहा, ''हम समझते हैं कि कभी–कभी हमें दुनियाभर में बदनामी का सामना करना पड़ता है। यह केवल कभी–कभी कुछ अवशेषों के रह जाने के मामले में नहीं होता है,...बल्कि स्तरीय गुणवत्ता नहीं होने के मामले में भी होता है। हम इस समस्या में तब भी फंस जाते हैं जब हम दूसरी तरफ उपभोक्ता को जो वादा किया गया है, उसे पूरा नहीं करते हैं। खेप वापस करने से हमें बदनामी मिलती है।'' उन्होंने कहा कि उद्योग को इस पहलू पर थोड़ा और जिम्मेदार होने की जरूरत है। सचिव ने कहा, ''हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारे देश से जो कुछ भी निकलता है, वह आपकी कंपनी के उत्पाद के रूप में न जाए, बल्कि भारत से निकले उत्पाद के रूप में जाए। अगर देश को बदनाम किया जाता है, तो यह हमारे लिए अच्छा नहीं है।'' उन्होंने खाद्य कंपनियों से कहा, ''हमें इस दिशा में काम करने की जरूरत है कि अगर यह भारत से जाता है, तो उत्पाद वास्तव में बहुत अच्छे होने चाहिए... हमें इस तरह की गुणवत्ता बनाए रखने की जरूरत है।'' हाल ही में कुछ प्रमुख कंपनियों– एमडीएच और एवरेस्ट के कुछ मसालों को हांगकांग और सिंगापुर में गुणवत्ता संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ा। खाद्य नियामक एफएसएसएआई में क्षेत्रीय निदेशक (उत्तर) एस विजयरानी ने उद्योग से सुरक्षा और गुणवत्ता के साथ–साथ पोषण मूल्य पर समझौता न करने को कहा। उन्होंने खाद्य कंपनियों से मोटे अनाज और अन्य पोषण खाद्य उत्पादों को बढ़ावा देने का भी आग्रह किया।

पीओके में जन्में इस ऑलराउंडर ने दिलाई यूगांडा को जीत, 43 साल के गेंदबाज नसुबुगा ने भी रचा इतिहास

यूगांडा ने आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 में अपनी पहली जीत दर्ज की है। उसने गुयाना के प्रोविडेंस स्टेडियम में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप 2024 के ग्रुप सी के मुकाबले में पापुआ न्यू गिनी को 3 विकेट से हराया। यूगांडा ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। उसका ये फैसला तब सही साबित हुआ जब पापुआ न्यू गिनी की पूरी टीम 19.1 ओवर में महज 77 रन ही बना पाई और ऑलआउट हो गई। यूगांडा के अनुभवी स्पिनर फ्रैंक नसुबुगा ने गुयाना में इतिहास रच दिया। 43 साल की उम्र में अपने पहले टी20 वर्ल्ड कप में नसुबुगा ने सिर्फ 4 रन देकर 2 विकेट लिए। पुरुष टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में किसी भी गेंदबाज द्वारा दिए गए 4 रन सबसे कम हैं। इससे पहले टूर्नामेंट में श्रीलंका के खिलाफ साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्खिया ने 4 ओवर में 7 रन दिए थे। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए यूगांडा ने 18.2 ओवर में 7 विकेट पर 78 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। हालांकि, एक समय यूगांडा ने महज 6.3 ओवर में 26 रन के स्कोर पर 5 विकेट गंवा दिए थे। उस समय ऐसा लग रहा था कि वह 78 रन का लक्ष्य भी हासिल नहीं कर पाएगा। लेकिन पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के गिलगिल में जन्में ऑलराउंडर रियाजत अली शाह ने 56 गेंद में 33 रन बनाकर टीम को जीत की दहलीज पर पहुंचाया। खास ये है कि पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ यूगांडा की ये पहली जीत भी है। जीत की नींव उसके गेंदबाजों ने रखी।

सम्पादकीय.....

जनादेश के मायने

अठारहवीं लोकसभा के लिये सात चरणों के चुनाव के बाद आए अप्रत्याशित आकलनों–भविष्यवाणियों से इतर मंगलवार को जो परिणाम सामने आए, उन्होंने पूरे देश को चौंकाया है। पिछले दो बार के आम चुनाव में लगातार भारी बहुमत से सत्ता में आई भाजपा इस बार अपने बूते पूर्ण बहुमत से दूर रह गई। वहीं कांग्रेस नीत इंडिया गठबंधन ने इन चुनावों में उम्मीदों से कहीं ज्यादा सफलता हासिल की। यहां तक कि अब कांग्रेस को लोकसभा में विधिवत विपक्षी नेतृत्व का अधिकार मिलेगा। बहरहाल, वर्ष 2024 के जनादेश ने साफ किया है कि जनता लोकतंत्र में किसी भी दल को स्वच्छंद व्यवहार की अनुमति नहीं देती। वह लोकप्रहरी की भूमिका में आ जाती है। अब चाहे सामने कितना भी कद्दावर नेता क्यों न हो। जनता देश में सशक्त विपक्ष की भूमिका की जरूरत भी महसूस करती है। देश में आपातकाल के बाद भी बदलाव का जनादेश आया था। सही मायनों में यह जनादेश किसी की जीत व हार का नहीं, बल्कि लोकतंत्र की जीत का है। विपक्ष आरोप लगाता रहा है कि सत्तारूढ़ दल निरंकुश व्यवहार करते हुए सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग विपक्षी नेताओं को भयभीत करने को करता है। कुछ विपक्षी दलों के मुख्यमंत्रियों व मंत्रियों को राजनीतिक दुराग्रह के लिये जेल भेजने के आरोप भी लगे हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि गठबंधन सरकार के दौर में अब सत्ताधीश निरंकुश व्यवहार नहीं कर पाएंगे। निस्संदेह, इन हालिया चुनाव नतीजों के दूरगामी परिणाम होंगे। इसी साल हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड और जम्मू–कश्मीर में होने वाले विधानसभा चुनाव पर भी इन परिणामों का असर दिख सकता है। वहीं, इन चुनाव परिणामों ने समता–ममता के लोकतंत्र की जरूरत को पुष्ट किया है। जनादेश ने भारतीय संवैधानिक संस्थाओं को मजबूती की जरूरत भी बतायी है। निश्चित रूप से इंडिया गठबंधन को इस सम्मानजनक स्थिति में लाने में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के मुखर प्रतिरोध ने विपक्ष को ताकत दी। वहीं दूसरी ओर इन लोकसभा चुनावों के परिणामों ने सत्ताधीशों को बताया है कि बेरोजगारी, महंगाई और आम जीवन से जुड़े मुद्दों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। हरियाणा व राजस्थान में अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया का प्रतिकार युवाओं की अभिव्यक्ति के रूप में इन चुनावों में नजर आने की बात कही जा रही है। पेपर लीक की घटनाओं ने युवाओं को ही नहीं, उनके परिजनों को भी व्यथित किया। युवाओं के देश में हर हाथ को काम देना सरकारों को अपनी प्राथमिकता बनानी होगी। उत्तर प्रदेश में भाजपा की सीटों में गिरावट पार्टी को आत्ममंथन का मौका जरूर देगी। वहीं उड़ीसा व अरुणाचल में भाजपा की अप्रत्याशित कामयाबी भी सामने आई है। अब केरल में उसका खाता खुला है और तेलंगाना में सीटें बढ़ी हैं। उसका वोट प्रतिशत भी कमोबेश बढ़ा है, भले ही ये वोट सीटों में न बदल सके हों। दिल्ली, मध्यप्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल व गुजरात में उसकी बड़ी कामयाबी जरूर पार्टी का उत्साह बढ़ाने वाली है। लेकिन हरियाणा में डबल इंजन की सरकार के बावजूद कांग्रेस की बढ़त पार्टी के लिये चिंता बढ़ाने वाली है, क्योंकि राज्य में इसी साल विधानसभा चुनाव भी होने हैं। भाजपा के एक पक्ष में एक बात यह जरूर है कि देश में वर्ष 1962 में पं. नेहरू के नेतृत्व में कांग्रेस के लगातार तीसरे बार सरकार बनाने का रिकॉर्ड इस बार नरेंद्र मोदी दोहरा सकते हैं। लेकिन ये पार्टी के लिये आत्ममंथन का मौका है कि क्यों पार्टी को अपने बूते सरकार बनाने का अवसर नहीं मिल पाया। यह भी कि अब पार्टी स्वीकारे कि लोकतंत्र सत्तापक्ष और विपक्ष के सामंजस्य व तालमेल से ही समृद्ध होता है। मजबूत विपक्ष लोकतंत्र में सचेतक की भूमिका निभा सकता है। बहरहाल, हाल के वर्षों में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने निर्भीक होकर जिस तरह सत्ता पक्ष का मुकाबला किया, देशव्यापी सफल पदयात्राएं की, उससे शेष विपक्ष को मुखर बनाने में मदद मिली। चुनाव परिणाम आने के बाद कांग्रेस की प्रेसवार्ता में पार्टी ने इंडिया गठबंधन के दलों के साथ मिलकर सत्ता में भागीदारी की संभावनाओं से इनकार नहीं किया है। संकेत दिया कि पार्टी के एजेंडे में जाति गणना जैसे मुद्दे प्राथमिकता के आधार पर रहेंगे। निष्कर्ष यह भी कि समाज में आर्थिक असमानता दूर करना इंडिया गठबंधन का मुख्य मुद्दा बना रहेगा।

लोकतंत्र और संविधान की जीत

एजेंसी

जिन नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोपों पर जांच चल रही थीं, उनमें से कई को भाजपा या एनडीए में शामिल कर लिया गया। इन सारी बातों से भाजपा के खिलाफ जनता में माहौल बना, जो चुनाव परिणाम में नजर आ रहा है।

मंगलवार, 4 जून 2024 का दिन देश के लोकतंत्र और संविधान के लिए बड़ा मंगलकारी साबित हुआ है। सात चरणों में हुए चुनाव के बाद 4 जून को मतगणना हुई जो इन पंक्तियों के लिखे जाने तक जारी ही है। अब तक यह पूरी तरह से स्पष्ट नहीं हुआ है कि देश में अगली सरकार किसकी बनेगी और प्रधानमंत्री पद पर कौन बैठेगा। क्योंकि जैसा कि अनुमानित था भाजपानीत एनडीए को इंडिया गठबंधन ने जबरदस्त टक्कर दी। पिछले दो चुनावों में पूर्ण बहुमत हासिल करने वाली भाजपा की सीटें कम हुई हैं और सबसे खास बात यह है कि जिस उत्तर प्रदेश में भाजपा का मजबूत जनाधार था, वहां भाजपा को बड़ी मात मिली है। श्री मोदी के दिए नारे अबकी बार 4 सौ पार की सच्चाई तो पहले चरण के बाद ही सामने आ गई थी। लेकिन भाजपा फिर भी यह माहौल बनाए हुए थी कि इस बार भी वह आसानी से जीत हासिल कर लेगी और उसके नेतृत्व में एनडीए की सरकार ही बनेगी। सात चरणों के चुनाव पूरे होते ही जो एक्जिट पोल मुख्यधारा के मीडिया यानी तमाम समाचार चौनलों में दिखाए गए, उनमें भी एनडीए की एकतरफा जीत बताई जा रही थी। हालांकि भाजपा और टीवी चौनलों का बनाया माहौल 4 जून को पूरी तरह से ध्वस्त हो गया। आलम ऐसा था कि एक समाचार चौनल में एक्जिट पोल पेश करने वाले सर्वे एजेंसी के मुखिया 4 सौ पार के अपने दावे को पूरा न होते देख फूट–फूट कर रो पड़े। इन चुनावों ने देश को कुछ बड़े सबक दिए हैं। जिनमें सबसे अहम सबक यह है कि जनता के विवेक को कम करने की भूल किसी को भी नहीं करना चाहिए। नरेन्द्र मोदी ने पहले ही अपने तीसरे कार्यकाल का ऐलान कर दिया था, उसके बाद पूरे चुनाव प्रचार में उन्होंने दस साल की उपलब्धियों और भावी नीतियों के बारे में चर्चा न कर मंगलसूत्र, मुस्लिम लीग, भैंस चोरी और मुजरे की बात की। जनता ने इस रवैये को बिल्कुल नकार दिया। भाजपा के कई नेताओं ने संविधान बदलने के लिए 4 सौ से ज्यादा सीटों को जरूरी बताया था। लेकिन इंडिया गठबंधन ने संविधान को बचाने की जरूरत देश को समझाई और जनता ने इसे समझा भी। यही वजह है कि अयोध्या में भाजपा की हार हुई, यानी राम मंदिर बनाने का दांव काम नहीं आया। इंदौर में भाजपा प्रत्याशी ने सीट तो बचा ली, लेकिन जिस तरह नोटा को ऐतिहासिक वोट मिले, उससे भाजपा को यह संदेश भी मिल गया कि तोड़–फोड़ की राजनीति जनता को स्वीकार्य नहीं है। यह इस चुनाव का दूसरा अहम सबक था। तीसरा सबक नकारात्मक और दमनात्मक राजनीति के खिलाफ मिला। चुनाव शुरु होने से पहले ही प्रवर्तन निदेशालय, सीबीआई और आयकर विभाग की कार्रवाईयां विपक्षी दलों और उनके नेताओं पर शुरु हुईं। कांग्रेस के खाते सीज किए गए, इलेक्टोरल बॉन्ड की जानकारी देने में आनाकानी की गई, चंडीगढ़ मेयर चुनाव में सरेआम धांधली कराई गई। जिन नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोपों पर जांच चल रही थीं, उनमें से कई को भाजपा या एनडीए में शामिल कर लिया गया। इन सारी बातों से भाजपा के खिलाफ जनता में माहौल बना, जो चुनाव परिणाम में नजर आ रहा है। चुनावों का चौथा सबक भारत की ऐतिहासिक विरासत से खिलवाड़ न करने का मिला। इस देश की खासियत गंगा–जमुनी तहजीब है, जिसे पिछले दस सालों में बार–बार कमजोर करने की कोशिशें हुईं। प्रधानमंत्री मोदी ने खुद को परमात्मा का अंश बताने के अजीबोगरीब बयान देकर अपना ओहदा भगवान के समकक्ष करना चाहा, लेकिन इंसान और इंसानियत के महत्व को नहीं समझा। उनके समेत भाजपा के कई नेता खुल कर अल्पसंख्यकों के खिलाफ बयान देते रहे। माधवी लता जैसे प्रत्याशी ने मस्जिद की ओर तीर चलाने का सांकेतिक कृत्य किया। लेकिन जनता ने उन्हें हरा दिया। चुनावों का पांचवा सबक जनता के दुख दर्द से सरकार की दूरी बनाने के नुकसान के रूप में मिला। लॉकडाउन, मणिपुर, महिला पहलवान, किसान आंदोलन, अग्निवीर, पर्चा लीक जैसे अनेक मुद्दे देश में रहे, जिसमें आम जनता अनेक किस्म की दुश्वारियों में फंसी, लेकिन नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार ने इन मुद्दों पर जनता के साथ कभी संवेदनशीलता नहीं दिखाई। लिहाजा अब जनता ने अपना जवाब भाजपा को सुना दिया है। इन चुनावों में देश की जनता ने सही अर्थों में लोकतंत्र और संविधान को बचाने का काम किया है। राहुल गांधी के शब्दों में कहें तो राजनैतिक विवेक का परिचय दिया है। राहुल गांधी ने इस शब्दावली को खास तौर पर उत्तर प्रदेश के लोगों के लिए इस्तेमाल किया, क्योंकि भाजपा को सबसे अधिक उम्मीदें इसी राज्य से थीं। हालांकि अब उप्र समेत तमाम राज्यों में समीकरण बदलते नजर आ रहे हैं। दो–दो भारत जोड़ो यात्राएं निकाल कर राहुल गांधी ने देश में एक नये किस्म की राजनैतिक जागरुकता उत्पन्न की थी और उसके बाद विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन ने इस जागरुकता का और प्रसार किया। गठबंधन के तमाम 28 दलों और उनके नेताओं, कार्यकर्ताओं ने अथक मेहनत करके देश में फिर से ऐसा माहौल बना दिया है, जिसमें जनतंत्र की धड़कनें सुनाई दे रही हैं और तानाशाही प्रवृत्ति की विदाई नजर आ रही है। इंडिया गठबंधन के नेता बुधवार को बैठक करके भावी रणनीति पर विचार करने वाले हैं। इस बीच देश की प्रशासनिक मशीनरी और सबसे बढ़कर चुनाव आयोग के सामने यह चुनौती है कि वह निष्पक्षता और पारदर्शिता से परिपूर्ण फैसले ले, क्योंकि आखिर में यह किसी एक व्यक्ति, एक दल का सवाल नहीं है, पूरे देश के भविष्य का सवाल है। अटल बिहारी बाजपेयी के शब्दों में सरकारें आती–जाती रहेंगी, यह देश बचा रहना चाहिए।

मोदी के राजनैतिक मॉडल को बड़े पैमाने पर नकारा जनता ने

डॉ. दीपक पाचपोर

निर्वाचन आयोग की सुस्ती के चलते मंगलवार की शाम तक लोकसभा चुनाव की सारी सीटों के नतीजे तो नहीं आ पाए, लेकिन जितने परिणाम आ सके और धुंधली सी ही भावी लोकसभा की जैसी तस्वीर बनती नजर आ रही है वह यह तो अब तक नहीं बता पाई है कि किसकी सरकार बनने जा रही है, लेकिन एक बात जो स्पष्ट हो गयी है वह यह कि देश की जनता ने निवर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नकारात्मकता एवं उनके द्वारा पिछले एक दशक में लागू राजनैतिक मॉडल को पूर्णतरू अस्वीकृत कर दिया है। शाम तक भाजपा प्रणीत एनडीए व कांग्रेस के नेतृत्व में बने इंडिया गठबन्धन की बराबरी की टक्कर जारी थी। कभी किसी के आंकड़े ऊपर जा रहे थे तो कभी किसी के। हो सकता है कि जोड़–तोड़ में माहिर भारतीय जनता पार्टी सरकार बना ले और मोदी तीसरी बार पीएम बनने का अपना सपना भी पूरा कर लें, लेकिन यह निश्चित है कि मोदी बेहद कमजोर प्रधानमंत्री के तौर पर काम कर सकेंगे। उनके पास पहले दो कार्यकालों जैसा न तो रौब–दाब होगा और न ही वे सरकार व पार्टी के भीतर एकछत्र राज कर पायेंगे। इस लिहाज से कहा जा सकता है कि आने वाली राजनीति उन दुर्गुणों से मुक्त हो सकती है जो मोदी लेकर आये थे। उल्लेखनीय है कि दोनों प्रमुख प्रतिद्वंद्वियों के शाम तक आये आंकड़े बहुमत के ईर्द–गिर्द थे। इसका अर्थ यह है कि जिसकी भी सरकार बनेगी वह घटक दलों पर बहुत ज्यादा आश्रित रहेगी। मोदी को अपनी सियासत का वह स्वरूप छोड़ना होगा जो उन्होंने बड़े बहुमत के बल पर गढ़ा था। उनकी व्यक्तिवादी राजनीति भाजपा पर भारी पड़ती नजर आई है। इस लिहाज से कहें तो पार्टी भी उनके बारे में सोच सकती है कि क्या वह उन्हीं के नेतृत्व में सरकार बनाये या कोई नया चेहरा तलाश किया जाये। खैर, यह भाजपा व उसके सहयोगी दलों के सोचने की बात है परन्तु उन बिन्दुओं पर विचार किया जाना जरूरी है जो मोदी निर्मित राजनीति के हिस्से हैं। उनमें पहला तो है निरंकुशता का। याद हो कि 2014 में आये मोदी ने सारी शक्तियां अपने हाथों में ले ली हैं। संसद हो या कार्यपालिका अथवा कोई भी संवैधानिक संस्थाएं– सारी की सारी मोदी ने अपनी मुट्ठियों में कैद कर रखी थीं। जितने भी निर्णय लिये गये, वे सारे मोदी द्वारा या गिने–चुने लोगों के साथ मिलकर लिये गये। जीएसटी से लेकर नोटबन्दी व बुलेट ट्रेन से लेकर सेंट्रल विस्टा तक के फैसले अकेले मोदी ने लिये। संसद को कभी भरोसे में नहीं लिया गया। मंत्रिपरिषद नाममात्र की थी। फोकस मोदी पर ही रहा। समारोहों एवं विज्ञापनों में केवल मोदी ही होते थे। किसे चुनावी टिकट देने हैं और किन्हें नहीं– यह फैसला भी मोदी व उनके खासमखास केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह लेते रहे। पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा भी मुहर मात्र हैं। अपने कांग्रेस मुक्त भारत व बाद में विपक्ष मुक्त भारत के सपने को पूरा करने के लिये मोदी–शाह की जोड़ी ने देश भर के उन सभी राज्यों में 'ऑपरेशन लोटस' चलाया जिसके अंतर्गत विरोधी दलों की सरकारों को गिराया गया। इस दशक भर में 400 से अधिक विपक्षी विधायकों, सांसदों व नेताओं को खरीदकर या डरा–धमकाकर भाजपा में शामिल कराया गया। राजनैतिक विरोधियों ही नहीं बल्कि वैचारिक रूप से उनके खिलाफ सभी लोगों को उन्होंने प्रताड़ित किया है। बड़ी संख्या में लेखकों, पत्रकारों, बुद्धिजीवियों, मानवाधिकार व सामाजिक कार्यकर्ताओं को इस दौरान जेल का रास्ता दिखाया गया। संसद के भीतर विरोधी पार्टियों के सदस्यों को थोक के भाव से निकाल बाहर किया गया, उनके बयानों को कार्यवाहियों से हटाया गया। इस दौरान मोदी ने प्रेस या किसी भी तरह के उन्मुक्त संवाद से दूरी बनाये रखी। अलबत्ता ऐन चुनाव के वक्त पर उन्होंने 75 से अधिक साक्षात्कार देकर जनता को प्रभावित करने की कोशिश की। मोदी ने भारत के सामाजिक माहौल को भी खराब किया है। उनके सारे चुनावी भाषण नफरत पर आधारित और विभाजनकारी थे। हिन्दू वोटों के ध्रुवीकरण के फेर में मोदी अपने पद की गरिमा से काफी नीचे उतर गये थे। उन्होंने कांग्रेस के घोषणापत्र पर मुस्लिम लीग की छाया बतलाई तो वहीं यह झूठ बोला कि 'कांग्रेस की सरकार आई तो वह लोगों से मंगलसूत्र छीन कर कई–कई बच्चों वालों (मुसलमानों) को दे देगी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस व इंडिया गठबन्धन वाले लोगों के घरों में एक्सरे के द्वारा सोना निकाल लेंगे। यहां तक कि दो भैंसें हों तो एक भैंस खोलकर ले जायेंगे। वे विपक्ष के नेताओं, खासकर कांग्रेस के खिलाफ बहुत अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करते रहे। नतीजे बताते हैं कि उनकी शब्दावली का उन्हें फायदा तो मिला नहीं, उल्टे भारी नुकसान ही हुआ है। यह भी लोगों ने पूरी तरह से अस्वीकार किया कि उनके पीएम इस कदर अशालीन भाषा का प्रयोग करें। मोदी की राजनीति पूंजीवाद को बढ़ावा देने की रही है। 60 वर्षों के दौरान भारतीयों द्वारा कड़ी मेहनत कर बनाये गये अनेक सरकारी उपक्रमों को मोदी ने अपने मित्रों को औने–पौने भाव में बेच दिया या ऊपहारों की तरह सौंप दिया। निजीकरण को इस दौरान इस प्रकार से प्रचारित किया मानों उसी के बल पर भारतीयों के घरों में लक्ष्मी बरसेगी। हुआ इसके विपरीत। आज देश के 80 करोड़ से ज्यादा लोग शासकीय राशन (5 किलो) पर जीवित हैं। मोदी ने उन्हें नागरिक से लाभार्थी बनाकर रख दिया। दरअसल यह भी उनकी राजनीति का ही हिस्सा है जिसके पीछे नागरिकों को कमजोर करने का षडयंत्र छिपा हुआ है। मोदी ने जिस ध्रुवीकरण के बल पर तीसरी बार सत्ता पानी चाही है, हो सकता है कि उन्हें फिर से सरकार बनाने में कामयाबी मिल जाये लेकिन अयोध्या जिस सीट के अंतर्गत आता है, यानी फैजाबाद, वहां से भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह हार गये। इसी प्रकार से कैराना सीट, जो हिन्दू बहुल है– वहां इकरा हसन ने जीत दर्ज कर बतला दिया है कि यह एक धर्मनिरपेक्ष देश है और गंगा–जमुनी तहजीब ही इसकी प्रमुख पहचान है। पिछले कुछ समय से भाजपा यह बतलाने की कोशिश करती रही है कि भारत केवल हिन्दुओं का ही देश है और अल्पसंख्यक, विशेषकर मुस्लिम यहां दूसरे दर्जे के नागरिक बनकर रहेंगे। समान नागरिक संहिता, नागरिकता संशोधन कानून, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर, तीन तलाक व जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति जैसे कदम भाजपा सरकार ने इसी उद्देश्य से उठाये थे। कांग्रेस तथा विरोधी दलों को हिन्दू विरोधी या पाकिस्तानपरस्त बतलाने का गंदा खेल भाजपा द्वारा खूब खेला गया और उसका नेतृत्व मोदी–शाह ने किया। भाजपा द्वारा 370 व 400 सीटें लाने का उद्देश्य क्या था, यह भी सामने आ चुका था। जो लल्लू सिंह व गोविल पराजित हुए हैं, उनके अलावा भाजपा के ही अनंत हेगड़े और ज्योति मिर्धा जैसों ने साफ किया था कि पार्टी को 400 सीटें इसलिये चाहिये क्योंकि उसे संविधान बदलना है। भाजपा की इस मंशा के खिलाफ भारत का बड़ा हिस्सा खड़ा हो गया। राहुल गांधी व कांग्रेस ने साफ किया कि वे ऐसा होने नहीं देंगे। इस प्रकार से यह चुनाव संविधान व लोकतंत्र बचाने का भी बन गया। लोगों के सामने यह भी साफ हो गया कि इतनी बड़ी संख्या में सीटें पाने के लिये भाजपा सरकार केन्द्रीय जांच एजेंसियों, निर्वाचन आयोग व ईवीएम का दुरुपयोग कर रही है। इसे भी जनता ने नकारा है।

सहायक नदियों के प्रति सरोकार की जरूरत

सुरेश भाई

छोटी–छोटी नदियों से बनी गंगा 2550 किलोमीटर, ब्रह्मपुत्र और सिंधु क्रमशरू 916 और 1114 किलोमीटर लंबी हैं। छोटी नदियां अनेक बड़ी नदियों के जल–बहाव को नियंत्रित करती हैं। लगभग सभी बड़ी नदियों के उद्गम ग्लेशियरों से हैं, लेकिन इनके निचले बहाव क्षेत्र में जंगल, तराई, मैदान और बीहड़ क्षेत्रों के बीच से छोटी–छोटी नदियां बड़ी नदियों में मिल रही हैं। छोटी नदियां पारिस्थितिकी तंत्र के कायाकल्प, जल और खाद्य सुरक्षा, आजीविका और समान सामाजिक आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। यमुना भारत की बड़ी नदी है जो इलाहाबाद में गंगा में मिल जाती है। यमुना में भी टौंस, हिंडन, चंबल, बेतवा आदि मिलती हैं। रामगंगा, घाघरा, गंडक, कोसी, महानंदा, सोन आदि गंगा की प्रमुख सहायक नदियां हैं। चंबल और बेतवा उप सहायक हैं। पद्मा और ब्रह्मपुत्र बांग्लादेश से निकलती हैं। चंबल में बनास, सिंध, बेतवा, केन मिलती हैं। सोन नदी में जोहिला, गोपद, रिहंद, कन्हार, उत्तरी कोयल मिलती हैं। नर्मदा में अमरावती, मुखी, तवा, बांगर मिलती हैं। गोदावरी में पैनगंगा, वर्धा, बनगंगा, इंद्रावती, साबरी, मंजीरा और कृष्णा में कोमना, तुंगभद्रा, घाटप्रभा, मालप्रभा, मुसी, मनेरू आदि मिलती हैं। कावेरी की सहायक नदियां हरंगी, हेमवती, काविनी, भवानी, अर्कावती, लक्ष्मणतीर्थ, नोट्याल आदि हैं।छोटी नदियां भारत में बड़ी संख्या में हैं जो बड़ी नदियों के पोषक के रूप में मानी जाती हैं। छोटी नदियां बड़ी नदियों के प्रवाह को बढ़ाने के साथ–साथ भूजल पुनर्भरण को सक्षम बनाती हैं। मिट्टी की नमी, जैव–विविधता में सुधार करती हैं। सूखे और बाढ़ का सामना करने में मदद करती हैं, लेकिन देश में सूख रही छोटी नदियों का कायाकल्प समुदाय के बिना संभव नहीं है। गौरतलब है कि इन सहायक और छोटी–छोटी नदियों में निरंतर घटती जलराशि चिंता का विषय है। इसका कारण है कि इन नदियों के जल–ग्रहण क्षेत्र में वर्षों से जैव–विविधता का व्यवसायिक दोहन बड़े पैमाने पर हुआ है। खनन और अंधाधुंध भूजल का दोहन हो रहा है। मानवीय जीवन शैली ने नदियों को बेपानी बना दिया है। नदियों की जमीन और जलराशि में अतिक्रमण, शोषण, प्रदूषण के मौजूदा खतरे ने नदियों के पानी को स्नान लायक भी नहीं छोडा है। ग्लेशियरों के सूखने से हिमपोषित नदियां भी सूख रही हैं। 45 डिग्री से भी अधिक तापमान के कारण छोटी नदियों का पानी लगभग सूख गया है। अप्रैल–जून की भीषण गर्मी से बुंदेलखंड की बहुत सारी नदियां सूख गई हैं जहां पानी के लिए हाहाकार है। पहाड़ी इलाकों में भी देखा जा सकता है जहां गंगा–जमुना की छोटी नदियां और जलस्रोत सूख गए हैं वहां भी लोग पानी की कमी का सामना कर रहे हैं। ऐसे हालात पैदा होने के कुछ दिनों बाद होने वाली अनियमित और अनियंत्रित बारिश नदियों के जल–ग्रहण क्षेत्र में अपर्याप्त वनस्पतियों के अभाव में बाढ़ जैसी हालत पैदा करती हैं। हर साल हिमालय से लेकर मैदानों तक भारी जल सैलाब से अपार जन–धन की हानि हो रही है। बारिश के पानी को रोकने की पारंपरिक शैली को आधुनिक विकास ने रौंद डाला है। जहां तालाब, जौहड जैसी जल संरचनाएं होती थीं, वहां सिंचाई और पेयजल के अलावा भूजल का भंडार भी पोषित होता था। अब उन स्थानों पर बहुमंजिली इमारतें, खनन, सीमेंटेड संरचनाओं ने पूरे जल क्षेत्र की जलवायु पर विपरीत प्रभाव डाल दिया है। भूजल बहुत नीचे चला गया। इन चुनौतियों का सामना करते हुए आज भी भारत के हजारों गांवों में लोग अपने पारंपरिक प्रबंधन के अनुसार जल की व्यवस्था करते हैं जिससे स्वदेशी ज्ञान और प्रौद्योगिकी से विवेकपूर्ण जल उपयोग को बढ़ावा मिलता है। कुछ सक्रिय समाजसेवियों, पर्यावरणविदों और पानीदार समाज ने मिलकर ऐसे उदाहरण प्रस्तुत किए हैं जहां सूखी, छोटी नदियां फिर से बहने लगी हैं। यह तभी संभव हो पाया है जब स्थानीय समाज के साथ मिलकर नदियों के जल की पूर्व स्थिति और सूखने के कारणों की पड़ताल करके जल वापसी के उपाय पर संवाद हो सका है। कई स्थानों पर उदाहरण है कि लोगों ने सूखती छोटी नदियों के क्षेत्र का सामाजिक और पर्यावरणीय नक्शा तैयार करके एक पानीदार समाज का उदाहरण प्रस्तुत किया है। अलवर में तरुण भारत संघ एक उदाहरण है जिन्होंने सूखी नदियों को जिंदा कर दिया है। लोग वहां जाकर नदियों के पुनर्जीवन के सामाजिक और पर्यावरणीय तरीके सीख रहे हैं। बुंदेलखंड में परमार्थ समाजसेवी संस्थान ने छोटी नदियों के पुनर्जीवन के लिए जोरदार अभियान चला रखा है। उन्होंने अब तक विलुप्त होती बछेड़ी नदी, कनेरा नदी, बरगी नदी, खूडर नदी, घुरारी नदी के पुनर्जीवन के लिए स्थानीय राज–समाज के साथ मिलकर महत्वपूर्ण प्रयास किए हैं जो काफी सफल होते दिखाई दे रहे हैं। यहां का समाज अपनी नदियों को बचाने के लिए जागरूक है। इस सीख को आगे बढ़ाने के लिए मध्यप्रदेश के खजुराहो में इसी साल जल जन जोड़ो अभियान और परमार्थ समाजसेवी संस्थान द्वारा आयोजित एक संवाद में 15 राज्यों से आए 50 नदियों के प्रतिनिधियों ने निर्णय लिया कि 51 नदियों के पुनर्जीवन हेतु यात्रा का आयोजन किया जाएगा। पानी के काम में लगे राजेंद्र सिंह की अगुवाई में देश भर के जल विशेषज्ञों ने मांग की कि केन्द्र सरकार नदियों के लिए एक स्पष्ट नदी नीति बनाये जिसकी मांग लंबे समय से उठाई जा रही है। नदियों पर काम करने वाले सभी लोग यह मानते हैं कि छोटी नदियों के जीवित रहने से समुदाय की खाद्य सुरक्षा, उनका सम्मानजनक जीवन और उनके आर्थिक विकास का संरक्षण होता है। इसके साथ ही वे बड़ी नदियों के प्रवाह को बढ़ाने, भूजल का पुनर्भरण करने, जमीन की उपजाऊ क्षमता को बढ़ाने में भी मददगार होती हैं। जलवायु परिवर्तन का सीधा संबंध छोटी नदियों से है। यदि हम छोटी नदियों को जीवित कर लेंगे तो जलवायु परिवर्तन का खतरा कम हो जायेगा, लेकिन छोटी नदियों के पुनर्जीवन का काम समुदाय की अगुवाई के बिना संभव नहीं है। इस अभियान के राष्ट्रीय संयोजक संजय सिंह ने कहा कि– नदियों को पुनर्जीवित करने हेतु निकाली जाने वाली यात्राओं के पहले यह जरूरी है कि संबंधित नदी के बारे में सारे आंकड़े एकत्रित करने के बाद समुदाय के साथ मिलकर संवाद किया जाए। प्रोफेसर विभूति राय कहते हैं कि 20 वर्षों में नदियां सूख जायेंगी। यदि पारंपरिक जल सुरक्षा के उपाय पर ध्यान नहीं दिया गया तो मानव जीवन पर संकट बढ़ जायेगा। नदियों के रिचार्ज का जब तक कोई सामान्य समाधान नहीं होगा तो नदियों को बचाना कठिन होगा। देश के जल विशेषज्ञों की चिंता है कि जल संरक्षण हो या नदी पुनर्जीवन, सभी पर सरकारें पूरे देश के लिए एक जैसी योजना बनाती हैं। इसलिए यह काम धरातल पर नहीं दिखाई देता। यदि छोटी नदियों को पुनर्जीवित करना है तो हर क्षेत्र की जलवायु के अनुसार अलग–अलग नियोजन की आवश्यकता है। सामाजिक कार्यकर्ता राकेश कटल कहते हैं कि नदियों को बचाने की आपातकालीन स्थिति है। इसलिए देशभर में नदियों के पुनर्जीवन के लिए चिंतित समाज और पर्यावरणविद् आगे आकर अपनी एक–एक नदी को पुनर्जीवित करने लिए कदम बढ़ाएं।

आराधना शर्मा को निया शर्मा पर क्रश, कहा-वह बेहद बेफ्रिक हैं

कलर्स टीवी पर प्रसारित होने वाले टीवी सीरियल सुहागन चुड़ैल खूब चर्चाएं बटोर रहा है। शो में एक्ट्रेस आराधना शर्मा रचना का किरदार निभा रही हैं। एक्ट्रेस ने को–स्टार निया शर्मा के साथ अपनी बॉन्डिंग के बारे में बात की। आराधना ने कहा, शूटिंग के दौरान मैंने निया का काम देखा और मुझे उन पर क्रश हो गया। जब मैं उनका काम देखती हूं तो मुझे लगता है कि वह बेहद बेफ्रिक हैं। वह ज्यादा टेंशन या लोड नहीं लेती। वह बेहद प्यारी हैं और ताकतवर हैं। एक्ट्रेस ने आगे कहा, उनका करिश्मा कमाल का है। वह बेहद प्यार से बात करती हैं और लोग उनकी बातों को ध्यान से सुनते हैं। वह अपने स्वभाव से लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचती हैं। वह कभी भी अकड़ती नहीं है। मैं सच में इस बात पर उनकी तारीफ करती हूं। वह मेरे लिए प्रेरणादायक हैं। उनके जैसा बनना मेरी ख्वाहिश है। वह एक ऐसी स्टार हैं जिन्होंने अपना रास्ता खुद बनाया है और वह मुझे हर दिन प्रेरित करती हैं। वह अपनी फिटनेस का अच्छे से ख्याल रखती हैं और उनकी इच्छाशक्ति काफी बहुत मजबूत है। आराधना ने बताया कि निया का फैशन गेम यूनिक है। उन्होंने कहा, वह अपने लुक को लेकर एक्सपेरिमेंट करती रहती हैं। इसमें कोई हैरानी नहीं कि उन्होंने अपने फैशनेबल आउटफिट के लिए अवार्ड जीते हैं। उनकी एक्टिंग स्किल्स बेहतरीन हैं। इस कंपटीशन की दुनिया में, निया जैसे एक्ट्रेस के साथ काम करना अच्छा लगता है। वह सेट पर हेल्दी माहौल बनाकर रखती है। आराधना को बालवीर, बरसातें–मौसम प्यार का और एमटीवी स्प्लिट्सविला एक्स 5 में उनके काम के लिए जाना जाता है। सुहागन चुड़ैल में निया शर्मा चुड़ैल निशिगंधा के रोल में, देबचंद्रिमा सिंघा रॉय दीया के किरदार में और जैन इबाद खान मोक्ष की भूमिका में हैं। सीरियल की कहानी में चुड़ैल (निया शर्मा) को परम शक्ति हासिल करने के लिए 16 श्रृंगार शक्तियों को पूरा करना होगा और उसकी 16वीं शक्ति सिंदूर है। इसे लेने के लिए उसे अपने जीवन में 16वें पुरुष को खत्म करना होगा। शो में निया शर्मा के अलावा, जैन इबाद खान और देबचंद्रिमा सिंघा रॉय भी लीड रोल में हैं। सुहागन चुड़ैल हर सोमवार से शुक्रवार रात 10.30 बजे कलर्स पर प्रसारित होता है।

> “
> आराधना ने कहा, शूटिंग के दौरान मैंने निया का काम देखा और मुझे उन पर क्रश हो गया। जब मैं उनका काम देखती हूं, तो मुझे लगता है कि वह बेहद बेफ्रिक हैं। वह ज्यादा टेंशन या लोड नहीं लेती। वह बेहद प्यारी हैं और ताकतवर हैं। एक्ट्रेस ने आगे कहा, उनका करिश्मा कमाल का है। वह बेहद प्यार से बात करती हैं और लोग उनकी बातों को ध्यान से सुनते हैं। वह अपने स्वभाव से लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचती हैं।

आमिर खान के बेटे जुनैद खान ने डेब्यू फिल्म के लिए घटाया 26 किलो वजन

आमिर खान के बेटे जुनैद खान डेब्यू करने से पहले ही ध्यान खींच रहे हैं। जुनैद अपनी अपकमिंग फिल्म 'महाराज' लेकर जल्द ही नेटफ्लिक्स पर हाजिर हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि जुनैद ने इस फिल्म के लिए काफी कड़ी मेहनत की है 2 साल की कड़ी मेहनत से उन्होंने 20 किलो से भी ज्यादा वजन घटाया है। बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान के बेटे जुनैद खान जल्द बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले हैं। पिछले काफी दिनों से वो अपनी फिल्म महाराजा को लेकर सुर्खिया बटोर रहे हैं। वह इस फिल्म की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म के लिए एक्टर जुनैद खान ने दो साल में तकरीबन 26 किलो वजन घटाया, जो इस बात का सबूत है कि अपनी डेब्यू फिल्म को सफल बनाने के लिए उन्होंने कड़ी मेहनत की। जुनैद खान ने अपनी डेब्यू फिल्म के लिए कड़ी मेहनत की है। उम्मीद की जा सकती है कि एक्टर अपनी परफॉर्मेंस से ऑडियंस पर असर डाल सकते हैं बता दें जुनैद ने अपनी पहली फीचर फिल्म महाराज के लिए जबरदस्त फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन की है। अपने किरदार में खुद को ढालने के लिए एक्टर ने 2 सालों के भीतर लगभग 26 किलो वजन कम किया है। फिल्म की रिलीज से पहले एक्टर की पुरानी और नई तस्वीरें वायरल हो रही हैं, जिसमें उनका ट्रांसफॉर्मेशन हैरान करने वाला है। आमिर खान के बेटे जुनैद सिद्धार्थ पी मल्होत्रा घ्घकी फिल्म महाराज से डेब्यू करने जा रहे हैं हाल ही में फिल्म का पहला पोस्टर जारी किया गया। पोस्टर में जयदीप अहलावत और जुनैद खान नजर आए। अपनी पहली फिल्म महाराज में जुनैद ने एक पत्रकार की भूमिका निभाई है महाराज 1862 के महाराजा मानहानि मामले पर आधारित है। जुनैद खान की फिल्म महाराजा 14 जून को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। महाराज के अलावा जुनैद एक और बड़े प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं, जिसमें उनके साथ एक्ट्रेस सई पल्लवी नजर आने वाली हैं। फिल्म की शूटिंग जापान के खूबसूरत लोकेशंस पर की गई है।

यामी गौतम और आदित्य धर सेलिब्रेट कर रहे शादी की तीसरी सालगिरह, इंस्टाग्राम पर किया पोस्ट

एक्ट्रेस यामी गौतम और फिल्म मेकर आदित्य धर आज अपनी तीसरी सालगिरह सेलिब्रेट कर रहे हैं। इस खास मौके पर कपल ने अनसीन तस्वीरें शेयर कीं। यामी ने अपने इंस्टाग्राम पर हाल ही में रिलीज हुई राजनीतिक एक्शन थ्रिलर आर्टिकल 370 के प्रमोशन की फोटो शेयर की। यह तस्वीर उस समय की है जब वह प्रेग्नेंट थी। फोटो में उन्होंने पिंक कलर की फ्लोरल ड्रेस पहनी हुई है और वह बेबी बंप को फ्लॉन्ट कर रही हैं। वहीं, आदित्य उनके पास बराबर में बैठे हैं और मुस्कुरा रहे हैं। उन्होंने ब्लैक टी–शर्ट के साथ चेक शर्ट पहनी हुई है। इस पोस्ट को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, खुशहाल तीन साल, शादी की सालगिरह की बहुत–बहुत बधाई आपको पति देव। पति आदित्य धर ने भी अपने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर कीं। एक तस्वीर में वह पहाड़ों पर घूमते नजर आ रहे हैं। वहीं, अन्य तस्वीरों में वह नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में पोज देते हुए नजर आ रहे हैं। आदित्य ने इन तस्वीरों के साथ एक प्यारा सा नोट लिखा, प्यारी यामी, तुम मेरे लिए दुनिया की सबसे खूबसूरत महिला थी, हो और हमेशा रहोगी! हैप्पी एनिवर्सरी माय लव! यामी ने अपने पति के इस पोस्ट पर कमेंट किया और लिखा लकी गर्ल.... आई लव यू। बता दें कि साल 2019 में रिलीज हुई फिल्म उरी द सर्जिकल स्ट्राइक के सेट पर दोनों की मुलाकात हुई थी। आदित्य इस फिल्म के डायरेक्टर थे और यामी एक्ट्रेस थीं। सेट से शुरू हुई डेटिंग 3 साल तक चली और फिर उन्होंने शादी करने का फैसला किया और 4 जून 2021 को शादी कर ली। कोरोना महामारी के चलते शादी में बेहद कम लोग शामिल हुए। शादी में यामी ने अपनी मां की पुरानी साड़ी पहनी थी। एक्ट्रेस ने 20 मई को इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए अपने बेटे वेदविद के आने की न्यूज शेयर की। उनके बच्चे का जन्म अक्षय तृतीया के शुभ दिन हुआ था। वर्कफ्रंट की बात करें तो यामी के पास धूम धाम प्रोजेक्ट है। एक्ट्रेस को पिछली बार अपने पति की प्रोडक्शन फिल्म आर्टिकल 370 में देखा गया था। वह इससे पहले आदित्य द्वारा निर्देशित उरी द सर्जिकल स्ट्राइक में भी काम कर चुकी हैं।

थाई स्लिट ड्रेस पहने राशि खन्ना ने बिखेरा हुस्न का जलवा

साउथ और बॉलीवुड इंडस्ट्री की हॉट हसीना राशि खन्ना ने थाई–हाई स्लिट ड्रेस में अपनी ग्लैमरस तस्वीरें फैंस के साथ शेयर की हैं। उनकी इन तस्वीरों पर फैंस खूब प्यार बरसा रहे हैं। बता दें, एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक अदाओं पर अपना दिल हार जाते हैं। हालिया शेयर की गई तस्वीरों में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।

'लापता लेडीज' के एक्टर स्पर्श श्रीवास्तव और प्रतिभा रांता ने डेटिंग की अफवाहों पर दी प्रतिक्रिया

> “
> बॉलीवुड स्टार्स की लव लाइफ में फैन्स की काफी दिलचस्पी होती है। हर कोई अपने पसंदीदा स्टार्स के प्यार, अफेयर और ब्रेकअप की कहानियों के बारे में जानना चाहता है।

बॉलीवुड स्टार्स की लव लाइफ में फैन्स की काफी दिलचस्पी होती है। हर कोई अपने पसंदीदा स्टार्स के प्यार, अफेयर और ब्रेकअप की कहानियों के बारे में जानना चाहता है। इन दिनों किरण राव द्वारा निर्देशित 'लापता लेडीज' की 'जया' और 'दीपक' यानी प्रतिभा रांता और स्पर्श श्रीवास्तव को लेकर ऐसी ही खबरें आ रही हैं। कहा जा रहा है कि दोनों को–स्टार्स एक–दूसरे के प्यार में पड़ गए हैं। और अब प्रतिभा और स्पर्श अपने रिश्ते की सच्चाई दुनिया के सामने लाने के लिए आगे आए हैं।

जानिए एक्टर्स ने क्या कहा

हाल ही में एक्टर्स को नेटफ्लिक्स इंडिया के ऑफिस में देखा गया, जहां उन्होंने कई सवालों के जवाब दिए। डेटिंग को लेकर पूछे जा रहे सवालों का जवाब देते हुए प्रतिभा रांता ने कहा, श्क्या हम डेटिंग कर रहे हैं? नहीं... बिल्कुल नहीं।श प्रतिभा की बात को आगे बढ़ाते हुए स्पर्श ने कहा, श्यार, एक लड़का और लड़की सिर्फ दोस्त ही हो सकते हैं।श इसके बाद स्पर्श और प्रतिभा ने अपने हाथों से दिल बनाने की कोशिश की, लेकिन दोनों इस कोशिश में बुरी तरह विफल रहीं। वहीं स्पर्श से एक फैन ने पूछा, क्या आपकी जिंदगी में भी कोई लापता लेडीज है? इसके जवाब में स्पर्श ने कहा, श्हां, बहुत सारी लापता लेडीज हैं। अब मेरे लिए यह बहुत जरूरी है कि मेरी जिंदगी में कोई नई लेडी आए।'

फिल्म के बारे में

लापता लेडीज की कहानी दो शादीशुदा लड़कियों के इर्द–गिर्द घूमती है, जिनके अपने–अपने सपने हैं। एक पढ़ना चाहती है, जबकि दूसरी अपने पति और परिवार के साथ रहने का सपना देखती है। लेकिन, शादी के बाद दोनों की अदला–बदली एक मजेदार घटना में हो जाती है। इस अदला–बदली की वजह घूंघट की प्रथा है। इसके बाद फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे लापता होने के बाद दोनों लड़कियां अपनी जिंदगी का मकसद तलाश पाती हैं। बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करने के बाद अब लापता लेडीज नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है।

घर पर आसानी से बनाएं मार्केट जैसी मैंगो कुल्फी, बेहद आसान है इसकी रेसिपी

आम खाना लगभग हर किसी को पसंद होता है। वहीं हर कोई आम के सीजन का बेसब्री से इंतजार करता है। आम से बनी कई डिशेज का आप आनंद ले सकते हैं। वैसे तो साबुत आम खाने में बेहद स्वादिष्ट होता है। लेकिन मैंगो कुल्फी की तो बात ही अलग होती है। आपको बता दें कि आप आसानी से घर पर मैंगो कुल्फी बनाकर इसका आनंद उठा सकते हैं। आज हम आपके साथ मैंगो कुल्फी की रेसिपी शेयर करने जा रहे हैं। ऐसे में आप भी इसे घर पर बनाकर परिवार के साथ मजे से खा सकती हैं। वहीं मैंगो कुल्फी बनाने में अधिक समय भी नहीं लगता है और इसे खाने के बाद सब आपकी खूब तारीफ करेंगे।

सामग्री

दूध– 5 कप

केसर– 5 रेशा

चीनी– 3 बड़े चम्मच

ताजी क्रीम– 3/4 कप

आम के गूदे– 2

ऐसे बनाएं

सबसे पहले एक भारी तले वाले पैन में दूध को उबाल लें। आंच धीमाकर इसको उबलने दें।

फिर इसमें चीनी डाल दें और इसको तब तक पकने दें, जब तक यह गाढ़ा और मलाईदार न हो जाए। इसके बाद इसमें आम का गूदा और केसर डालकर 2 मिनट पकने दें।

अब इसको कमरे के तापमान बराबर ठंडा करें इसमें क्रीम मिक्स करें। फिर इस मिश्रण को चम्मच की सहायता से 6–8 सांचों में बांट लीजिए। पन्नी से अच्छे से कवरकर इसको कम से कम 6–7 घंटे के लिए जमा दें।

जब आप इसको जमाएं तो पहले घंटे में सांचे तो दो–तीन बार हिलाएं और फ्रिज से बाहर निकालें।

इसके बाद सांचों के निचले हिस्से को गर्म पानी में डुबोकर कटोरी में निकाल लें। इस आसान तरीके से मैंगो कुल्फी बनकर तैयार हो जाएगी।

पैरों का दर्द मिनटों में होगा छूमंतर, बस कर लें ये एक काम

पैरों में दर्द होना आज कल के समय में आम है। पैरों में दर्द न सिर्फ बजुर्गों को बल्कि बच्चों में भी देखने को मिलता है। इसके होने के बहुत से कारण हो सकते हैं, जैसे के मांसपेशियों में खिचाव, नस चढ़ जाना,सही ब्लड सर्कुलेशन न होना और शरीर की हड्डियां कमजोर होना अदि। अक्सर लोग इस दर्द से छुटकारा पाने के लिए या तो दवाइयों का सेवन करते हैं या किसी तरह की स्प्रे करते हैं। ऐसे में आप कुछ घरेलू नुस्खों को भी अपना सकते हैं जिससे आपको दवाइयां खाने से अधिक फायदा होगा। चलिए आपको बताते हैं कुछ आसान नुस्खों के बारे में –

1. बॉडी को हाइड्रेट रखें

शरीर में पानी की कमी के कारण भी पैरों में दर्द हो सकता है। इसके लिए आप रोजाना पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। यह पैरों के दर्द से छुटकारा दिलाने में सहायक साबित हो सकता है।

2. हल्दी का इस्तेमाल करें

हल्दी में एंटी ऑक्सीडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो पैरों में होने वाले दर्द से राहत दिलाने में कारगर है। ऐसे में दर्द से राहत पाने के लिए हल्दी के तेल से मालिश कर सकते हैं या हल्दी वाला दूध पी सकते हैं।

3. अरंडी के तेल से मालिश करें

अरंडी के तेल के इस्तेमाल से पैरों के दर्द से आराम मिलता है। रोजाना रात में सोने से पहले इस तेल से पैरों की मालिश कर सकते हैं।

4. आइस पैक का उपयोग करें

ज्यादा एक्सरसाइज और चोट के कारण भी दर्द का सामना करना पड़ता है। इससे राहत पाने के लिए आइस क्यूब को कपड़ों में लपेट लें और इससे प्रभावित जगह पर लगाएं। जिससे आप दर्द से राहत पा सकते हैं।

5. सेंधा नमक और पानी

दर्द से राहत पाने के लिए आप पहले गुनगुने पानी और नमक का मिश्रण भी कारगर साबित हो सकता है। इसके लिए टब में गुनगुने पानी लें, इसमें सेंधा नमक मिलाएं। अब इस पानी में लगभग 15 मिनट के लिए पैरों को डालें। इससे आपको काफी आराम मिलेगा।

ध्यान रखें: अगर दर ज्यादा है या काफी लंबे समय से बना हुआ है तो एक बार डॉक्टरी जांच जरूर करवा लें।

पलकों पर लगे ज्यादा मस्कारा को हटाने के लिए फॉलो करें ये टिप्स, खराब नहीं होगा मेकअप

कई बार मस्कारा लगाने के दौरान हम कुछ गलतियां कर बैठते हैं। जिसके कारण हमारा पूरा लुक बिगड़ जाता है। ऐसे में आज हम आपको आंखों की पलकों की पर लगे एक्स्ट्रा मस्कारा को निकालने के लिए कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं।

मेकअप करना हर लड़की और महिला को पसंद होता है। इसलिए हम सभी न जाने कितने तरह के मेकअप प्रोडक्ट्स को खरीदते हैं। लेकिन मेकअप के दौरान जल्दबाजी करने से कई बार कुछ न कुछ गड़बड़ हो जाती है। कहीं किसी चीज को गलत तरीके से लगा लेते हैं, तो कभी किसी प्रोडक्ट का इस्तेमाल करना भूल जाते हैं। मेकअप के दौरान यही छोटी–छोटी गलतियां आपके मेकअप की खूबसूरती को बिगाड़ देती हैं।

आई लुक का मेकअप में अहम रोल होता है और इसके लिए हमें ध्यान से मेकअप प्रोडक्ट का चुनाव व इस्तेमाल करना चाहिए। कई बार मस्कारा लगाने के दौरान हम कुछ गलतियां कर बैठते हैं। जिसके कारण हमारा पूरा लुक बिगड़ जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको आंखों की पलकों की पर लगे एक्स्ट्रा मस्कारा को निकालने के लिए उपायों के बारे में बताने जा रहे हैं। जो आपके मेकअप लुक को खराब होने से बचा सकते हैं।

मस्कारा लगाने के दौरान की गई गलतियां

आईलैश को घना दिखाने के लिए हम मस्कारा का इस्तेमाल करते हैं। वहीं पलकों को ज्यादा घना दिखाने के लिए बार–बार मस्कारा की कोटिंग करते हैं। लेकिन बार–बार मस्कारा लगाने से पलकें घनी होने की बजाय भद्दी नजर आने लगती हैं। आईलैश पर मस्कारा की 2 से ज्यादा बार कोटिंग नहीं करना चाहिए। जिससे की आपकी आंखें खूबसूरत लगें। लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि मस्कारा पलकों पर एक ही जगह इकट्ठा न हो पाए।

ऐसे हटाएं मस्कारा

ड्राई मस्कारा हटाने के लिए

पलकों पर लगे एक्स्ट्रा मस्कारा को हटाने के लिए कटोरी में नारियल के तेल की कुछ बूंद डालें।

फिर इस तेल में इयरबड्स को डुबोकर हल्के हाथों के दबाव का इस्तेमाल कर पलकों पर लगे एक्स्ट्रा मस्कारा को हटा सकती हैं।

पूरा मस्कारा हटाने के लिए

अगर आप पूरा मस्कारा हटाना चाहती हैं और आपकी आंखें ऑयली हैं, या मस्कारा पूरी तरह सूख गया है। तो आप मेकअप रिमूवर का इस्तेमाल कर सकती हैं।

मेकअप रिमूवर में इयरबड्स को डुबोकर आप आंखों की पलकों पर लगे मस्कारा को हटा सकती हैं।

ऑयली आंखों से मस्कारा हटाने के लिए

अगर आपकी आंखों का ऊपरी हिस्सा ऑयली है। तो पलकों पर लगे मस्कारा को आप गुलाब जल की मदद से हटा सकती हैं।

इसके लिए भी आप इयरबड्स का इस्तेमाल कर सकती हैं। जिससे कि आपकी त्वचा और आंखों को नुकसान भी न पहुंचे और आप आसानी से मस्कारा भी हटा सकें।

दांतों के पीलेपन को अब हमेशा के लिए कहें बाय-बाय, अपनाएं ये नुस्खे

हमारी खूबसूरती में चार–चचांद लगाती है हमारी मुस्कान और अगर वही सुंदर नहीं होगी तो आप चाहे जितना मर्जी फैशन क्यों न कर लें आप अच्छे नहीं दिखेंगे। सिर्फ यही नहीं बल्कि मुस्कुराते वक्त पीले दांत नजर आएं तो ये आपकी पूरी पर्सनैलिटी को खराब कर देते हैं। ऐसे में अगर आप भी पिले दांतों से परेशान हैं तो आप इन कुछ आसान टिप्स की मदद ले सकती हैं। ये ट्रिक्स असरदार भी हैं और आपको किसी भी चीज के लिए पैसे भी नहीं खर्चने होंगे। इसी के साथ आज हम आपको बताएंगे दांतों को पीला होने से बचने के कुछ उपाय

1. सरसों का तेल और हल्दी

इसके लिए एक चम्मच सरसों का तेल ले और उसमें आध ाा चम्मच हल्दी पाउडर मिलाकर उंगलियों से दांतों में लगाकर कुछ देर के लिए ऐसे ही छोड़ दें और फिर धो लें। कुछ दिनों तक ऐसा करने से आपको फर्क नजर आएगा। आप हल्दी की जगह नमक डालकर भी इसका इस्तेमाल हफ्ते में 2 बार कर सकते हैं।

2. सेब का सिरका

सेब का सिरका दांतों का पीलापन दूर करने के लिए काफी कारगर है। इसके लिए एक कप पानी में एक चम्मच सेब का सिरका डाल लें और उसके बाद नियमित रूप से ब्रश करने से पहले इससे गरारे करें, हफ्ते में 3 बार ऐस करने से धीरे–धीरे दांतों का पीलापन दूर हो जाता है।

3. स्ट्रॉबेरी से चमकाएं अपने दांत

1 या 2 फ्रेश स्ट्रॉबेरी लें और उन्हें अच्छी तरह से मैश कर लें। फिर इसे अपने दांतों पर 2 से 3 मिनट तक लगाकर रखें और फिर धो लें। आप चाहें तो स्ट्रॉबेरी लगाने के बाद अच्छी तरह से ब्रश भी कर सकते हैं। स्ट्रॉबेरी में मैलिक ऐसिड नाम का नैचरल इन्जाइम पाया जाता है जो दांतों का पीलापन दूर करने में सहायक है।

4. नीम की दातून

दांतों की सफाई के लिए नीम की दातुन से अच्छा कोई और विकल्प है ही नहीं। नीम की दातुन का इस्तेमाल करने से एक हफ्ते में ही आपके दांत चमकदार दिखने लगेंगे। इस बात का ध्यान जरुर रखें कि नीम का दातून पहले गर्म पानी से धो लें।

5. नमक और सरसों का तेल

इसके लिए आधे चम्मच नमक में सरसों की कुछ बूंदे ड़ाले उसके बाद इस मिश्रण से अपने दांतों पर मसाज करें ऐसा कुछ देर करने से आपके दाँतों का पीलापन दूर हो जाएगा।

आईआरसीटीसी के इन पैकेज के साथ बेफिक्र होकर ले ट्रिप का आनंद, ज्यादा नहीं आएगा खर्च

गर्मियों में अक्सर हम सभी किसी ठंडे स्थान पर घूमने का प्लान बनाते हैं। ऐसे में अगर आप भी बिना किसी टेंशन के ट्रिप प्लान करना चाहते हैं, तो आप भारतीय रेल के पैकेज का लाभ ले सकते हैं। भारतीय रेल के इन पैकेज से घूमना इसलिए भी आसान होता है, क्योंकि प्ब्ज्ब् आपकी सभी सुविधाओं का ध्यान रखता है। ऐसे में अगर आप भी घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो हम आपको आईआरसीटीसी के कुछ ऐसे पैकेज के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके जरिए आप पूरे परिवार के साथ बिना किसी परेशानी के ट्रिप का आनंद उठा सकते हैं।

दार्जिलिंग, गंगटोक और पेलिंग टूर पैकेज

11 जून को इंदौर से इस पैकेज की शुरूआत होगी।

यह 7 दिन और 6 रात का टूर पैकेज है।

इस पैकेज के तहत आपको दार्जिलिंग, गंगटोक और पेलिंग की फेमस जगहों की सैर कराई जाएगी।

आप इस दौरान फ्लाइट से यात्रा कर सकेंगे।

आपके आने–जाने के लिए टिकट का खर्च पैकेज फीस में शामिल होगा।

यदि आप दो लोग इस यात्रा पर जाते हैं, तो आपको प्रति व्यक्ति 72,000 रुपए देने होंगे।

वहीं 5–11 साल के बच्चों के साथ यात्रा करने पर आपको अलग से 59,750 रुपए देने होंगे।

अगर आपके साथ 2–4 साल के बच्चे यात्रा करते हैं, तो आपको अलग से 30,200 रुपये देने होंगे।

इस टूर पैकेज में आपके होटल, खाने–पीने, आने–जाने व घूमने की सुविधा शामिल होगी।

जम्मू–कटरा टूर पैकेज

दिल्ल से 29 मई को इस पैकेज की शुरूआत हो रही है।

वहीं इस पैकेज के लिए 29 मई के बाद से हर रविवार आप टिकट बुक कर सकते हैं।

यह टूर पैकेज 3 रात और 4 दिन का है।

दो लोगों के यात्रा करने पर आपको 7,855 रुपए प्रति व्यक्ति किराया देना होगा।

वहीं यदि आपके साथ 5 से 11 साल के बच्चे भी यात्रा करते हैं, तो आपको 6,160 रुपये अलग से देने होंगे।

भारतीय रेल की ऑफिशियल वेबसाइट से आप इस टूर के लिए टिकट बुक करवा सकते हैं।

गुलमर्ग, पहलगाम, सोनमर्ग और श्रीनगर टूर पैकेज

बता दें कि 30 मई को हैदराबाद से इस पैकेज की शुरूआत हो रही है।

इस दौरान आपको फ्लाइट से यात्रा करने का मौका मिलेगा।

यदि आप दो लोग यह यात्रा करते हैं, तो आपको 52,930 रुपए प्रति व्यक्ति किराया देना होगा।

वहीं बच्चों के साथ यात्रा करने पर आपको 41,210 रुपये अलग से देने होंगे।

01 वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार (थाना दिलीपपुर)

प्रतापगढ़ प्रतापगढ़ । जनपदके थाना दिलीपपुर के थानाध्यक्ष राधेश्याम' मय हमराह का0 कृष्णा सिंह का0 जगदीश प्रशाद, का0 विनोद कुमार द्वारा देखभाल क्षेत्रध तलाश वांछित, वारण्टी अभियुक्त के दौरान 'एसटी नं0 344ध्2012 धारा 147,323, 341 भादवि' से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त 'विनोद कुमार मिश्रा पुत्र रामतवकल मिश्रा निवासी ग्राम पिपरी खालसा थाना दिलीपपुर, जनपद प्रतापगढ़' को उसके घर के पास से गिरफ्तार किया गया।

अपहरण / दुष्कर्म व पाक्सो एक्ट के अभियोग से सम्बन्धित वांछित 01 अभियुक्त गिरफ्तार (थाना रानीगंज)

प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ श्री सतपाल अंतिल' के निर्देशन में जनपद पुलिस द्वारा निरंतर अभियान चलाकर अपराध ाध्अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में

'थाना रानीगंज के उ0नि0 श्री फिरोज खां मय हमराह' थाना रानीगंज द्वारा देखभाल क्षेत्रध्तलाश वांछित वारण्टी अभियुक्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर थाना रानीगंज के 'मु0अ0सं0 155ध्24 धारा 363, 366, 323, 376, 506 भादवि व 3ध्4 पाक्सो एक्ट' में वांछित अभियुक्त 'सचिन कुमार पुत्र मान सिंह नि0ग्राम घोषणा नसरतपुर थाना सोरांव जनपद प्रयागराज हालपता सीएमपी डिग्री कालेज के सामने डॉट पुल के पास झोपड़ पट्टी थाना कीड़गंज जनपद प्रयागराज' को थानाक्षेत्र रानीगंज के कछरा पुल के पास से गिरफ्तार किया गया।

'गिरफ्तार अभियुक्त का विवरणः—'

सचिन कुमार पुत्र मान सिंह नि0ग्राम घोषणा नसरतपुर थाना सोरांव जनपद प्रयागराज हालपता सीएमपी डिग्री कालेज के सामने डॉट पुल के पास झोपड़ पट्टी थाना कीड़गंज जनपद प्रयागराज।

'पुलिस टीम—' उ0नि0 श्री फिरोज खां मय हमराह थाना रानीगंज जनपद प्रतापगढ़।

हत्या के प्रयास के अभियोग से सम्बन्धित वांछित 01 अभियुक्त गिरफ्तार (थाना फतनपुर)

प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ श्री सतपाल अंतिल' के निर्देशन में जनपद पुलिस द्वारा निरंतर अभियान चलाकर अपराध ाध्अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में 'थाना फतनपुर के उ0नि0 श्री दिलीप कुमार वर्मा मय हमराह'

द्वारा देखभाल क्षेत्रध्तलाश वांछित वारण्टी अभियुक्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर 'थाना फतनपुर के मु0अ0सं0 108ध्24 धारा 307, 504, 506 भादवि' में वांछित अभियुक्त 'राधेश्याम पटेल पुत्र रामकुमार पटेल नि0ग्राम गोसेपुर (रामापुर) थाना फतनपुर जनपद प्रतापगढ़' को थानाक्षेत्र फतनपुर के रामापुर ब्रिज के नीचे गोसेपुर मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया।

'गिरफ्तार अभियुक्त का विवरणः—'

राधेश्याम पटेल पुत्र रामकुमार पटेल नि0ग्राम गोसेपुर (रामापुर) थाना फतनपुर जनपद प्रतापगढ़।

'पुलिस टीम—' उ0नि0 श्री दिलीप कुमार वर्मा मय हमराह थाना फतनपुर जनपद प्रतापगढ़।

पर्यावरण बचाना है

जंगल जब नष्ट किए तापमान रहा ना याद ।
कीमत वृक्षों की जानी सबने खो देने के बाद।
लालच में आकर हमने डाली खूब रासायनिक खाद ।
धन कमाने के कारण धरा की उर्वरता कुई बर्बाद।
कम होते गये खेत और नगर हुए आबाद।
बंद हो गया अब तो वृक्षों से मानव का संवाद ।
सागर—सरिता सूख गये पडी हुई हैं गाद।
जल—संकट से होते है हर दिन नए विवाद ।
पशु—पक्षी का आश्चय छूटा कौन सूने फरियाद ।
अनैतिक दोहन से भरा सबके मन में विषाद।
ओजोनक्षरण से हुआ वातावरण अतितप्त ।
दूषित हुआ पर्यावरण जीवन है अभिशिप्त ।
वृक्ष हमारे मित्र हैं वृक्ष हमारी शान । वृक्षों की रक्षा बने पर्यावरणीय जान । मानवता के हित हमें अपना धर्म निभाना है।
वृक्षारोपण अपनाना है पर्यावरण बचाना है।
हरियाली के गीत में देना है ये पैगाम ।
स्वच्छ बने पर्यावरण और शरीर निरोगी सुखधाम ।

डॉ. खुशबू राठी रतलाम (म.प्र.)

शुद्ध और स्वच्छ हवा के लिए पेड़ लगाएं-पूनम सिंह

प्रयागराज। अशोक नगर ज्ञान आरोग्य चौरिटेबल ट्रस्ट भाविनी डे केयर के तत्वाधान में के अध्यक्ष आचार्य कौशल किशोर जी के मार्गदर्शन में आज पर्यावरण दिवस के अवसर पर योगाभ्यास और वृक्षारोपण का आयोजन स्पेशल बच्चों के लिए किया गया। इस अवसर पर संस्था की सचिव पूनम सिंह भी उपस्थित रही स संस्था की सचिव पूनम सिंह द्वारा आचार्य कौशल किशोर को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया स मास्टर उज्जवल कुमार द्वारा योग के कई आसन करके भी दिखाया गया और बच्चों को योगा का अभ्यास कराया गया स पर्यावरण दिवस के अवसर पर बच्चों ने कई पौधे भी लगाये और बच्चों को पौधों की देखभाल कैसे की जाए वह भी विस्तार से बताया गया स इस अवसर पर अभिभावकों ने भी बढ़—चढ़कर हिस्सा लिया स टीचर्स में सुनीता मिश्रा, प्रीति श्रीवास्तव डॉक्टर छविराज, सरिता पाल,शीलू सोनकर, कृष्णा चौधरी ने अपना विशेष योगदान दिया।

पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी ,तेजपुर ने विश्व पर्यावरण दिवस मनाया

तेजपुर,। पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी ,तेजपुर असम भारत ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कल लक्ष्मीनारायण गोशाला प्रांगण में वृक्षारोपण किया।सर्वप्रथम पर्यावरण के सुरक्षा हेतु अकादमी के अध्यक्षा रीता सिंह सर्जना की पहल से कल तेजपुर स्थित लक्ष्मीनारायण गोशाला प्रांगण में पहुँचकर गोशालावासियों को विश्व पर्यावरण दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दी। इस अवसर पर बहुमूल्यीय वृक्ष पीपल, शीशम, नीम, अगर के अलावा आम, कटहल, लेटेकु, जामुन,आदि फूलों के पौधे रोपन किए गए। अकादमी की संस्थापिका रीता सिंह श्सर्जनाश ने बताया कि पर्यावरण की सुरक्षा के लिए कम से कम एक पौधा लगाकर हम उसकी देखभाल कर तो कर सकते हैं। आज गोशाला प्रांगण में अकादमी के सदस्यों ने 21 पौधे रोपन किए। इस अवसर पर अकादमी की संस्थापिका रीता सिंह श्सर्जनाश , डॉ. शंकर चक्रवर्ती, डैजी पोकवाल, संयुक्ता सिंह, प्रिया शर्मा और जयंत आचार्य उपस्थित थे।उल्लेखनीय है कि अकादमी हर साल जग को हरियाली बनाने हेतु नये — नये स्थानों पर वृक्षारोपण कार्यक्रम करता आ रहा है।

विभीषणों ने भाजपा प्रत्याशी संगम की लंका जलाई

टिकट कटने से नाराज चल रहे थे कई महारथी ,सवर्णो से नहीं बैठा पाए तालमेल

प्रतापगढ़। संगम लाल गुप्ता ने सांसद बनने के बाद पांच साल तक कोई ऐसा काम नहीं किया जो मील का पत्थर साबित होता। जुमलेबाजी और हवा हवाई बातें कर वोटरों को गुमराह किया। राजे रजवाड़े की धरती पर सवर्ण मतदाताओं से तालमेल बैठा नहीं पाए। बल्कि उनको कहीं न कहीं अपमानित करवाया। खुद का टिकट कटने से कई महारथी धराशाई हुए। लोगों ने मिलकर भीतरघात भी किया। विभीषणों ने संगम की लंका में ऐसी आग लगाई कि उन्हें पता ही नही चला। बैक वर्ड वोटरों ने भी साथ नहीं दिया। लोकसभा प्रतापगढ़ चुनाव का रिजल्ट घोषित होने के बाद अब ये सारी बातें चर्चा का विषय बनी हैं। भाजपा उम्मीदवार संगम लाल गुप्ता के हारने के बाद लोग चटखारे लेकर इस तरह की बातें खुलेआम कह रहे हैं।

संगम लाल जो कि पिछड़ी जाति से आते हैं उनको दुबारा टिकट मिलना कहीं न कहीं लोगों को खटकने लगा था। ऊपर से संगम का आमजन से सीधे संवाद न करने से जले पर नमक का काम किया। चुनाव के बीच ही इनके होटल पर हुई मारपीट और भुपियामऊ में विवाद ने इनके विरोधियों का मुंह खोल दिया। वे मुखर होकर विरोध करने लगे। इसके कई विडियो और ऑडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुए। लेकिन संगम की सेहत पर इसका कोई असर नहीं पड़। लोगों का कहना है कि उनको भ्रम हो गया था कि वे मोदी के नाम पर जीत जायेंगे। हालांकि मोदी के नाम पर ही इतने वोट मिले। जीते नहीं इसकी वजह इनके नाम पर पार्टी कार्यकर्ताओं के अंदर सहमति न होना भी है। संगम के भाई दिनेश गुप्ता के बड़बोलेपन ने भी पराजय का मुंह दिखाया।

सभी को साइड में रखकर दिया टिकट—

पार्टी हाईकमान के पास जिले के कई नेता, मंत्री और विधायक टिकट मांगने पहुंचे थे। वरिष्ठ नेताओं ने सभी को किनारे कर संगम लाल गुप्ता की टिकट दिया। यह बात लोगों को नागवार लगी थी।

अनुप्रिया पटेल से नाराज थे ठाकुर वोटर—

कहावत तितलौकी नीम चढ़ी को संगम लाल ने चरितार्थ किया। केन्द्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने संगम के पक्ष में सभा कर कुंडा विधायक रघुराज प्रताप पर तीखा हमला बोलकर ठाकुरों से बैर ले लिया। प्रमोद तिवारी से अनबन पहले से चल ही रही थी।

बैंड बाजे के साथ पौधों की बारात निकालकर किया जागरूक

गांव बना साक्षी, प्रधान ने किया स्वागत, नन्हें मुन्ने बने बाराती
डीजे की धुन पर नाचे बारातियों को विदाई में मिले पौधे

प्रतापगढ़। गाजे बाजे के साथ सेहरा बांधकर दूल्हे संग नाचते गाते पौधों की बारात निकली। इस अनोखी बारात को देखने के लिए ग्रामीण घरों से निकल पड़े थे। पंचायत भवन से उठी बारात का स्वागत ग्राम प्रधान ने पुष्प वर्षा के साथ किया। गले मिलकर वर और कन्या पक्ष का परिचय हुआ। शादी में सभी बारातियों को विदाई में रोपने के लिए पौधे दिए गए।

पर्यावरण दिवस पर बुधवार को बच्चा बैंक फ्रेंड्स ग्रुप, बीबीएफजी के छात्रों ने पर्यावरण संरक्षण और अधिक से अधिक पेड़ लगाने के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए एक पौधों की एक अनोखी बारात निकाली। जो किसी ने न देखी, सुनी होगी।बारात ग्राम सभा भंगवा के पंचायत भवन से उठी और बीबीएफजी के फ्री स्टडी पर पहुंची। यहां पर ग्राम प्रधान रोहित ने बारातियों का स्वागत किया। वर, कन्या पक्ष का मिलना कराया। जलपान के बाद बारातियों ने जमकर डांस किया।

वर और कन्या का रूप धरे पौधे—

बारात की खघस बात यह थी कि जिन पौधों को रोपित करना था, उनको दूल्हा और दुल्हन का रूप दिया गया था। दूल्हे के सिर पर पगड़ी, दुल्हन ने किया था सिंगार।

बारातियों ने धरा पौधों का रूप—

बारात में शामिल बाराती पौधों का रूप धरे हुए थे। सिर, कमर गले में फूल पत्तियों की माला पहन पर्यावरण प्रति लोगों को जागरूक करते नजर आए। कन्या पक्ष की तरफ से टीचर दामिनी, रागिनी, प्रिया, साहिल, अजय और वर पक्ष की तरफ से टीचर शनि हिमांशु नैंसी, सिमरन, नैतिक, सत्यम शामिल हुए।

रोपित पौधों की वर्ष गांठ मनाई—

शादी की रस्म के साथ साथ सेंटर पर, गत वर्ष पर्यावरण दिवस पर रोपे गए पौधों की शादी के एक साल पूरे होने पर वर्ष गांठ मनाई गई। जिसमें सभी बच्चों का मुंह मीठा कराया गया।

वट सावित्री पूजा में उमड़ी महिलांए, धागा बांधकर पति के लंबी उम्र की कमना

प्रतापगढ़। शहर के सई नदी तट स्थित बेल्हादेवी मंदिर पर गुरूवार को बड़ी संख्या में सुहागिन महिलाओं ने वट सावित्री पूजा पर पति की लंबी उम्र के लिए कामना की। मन्दिर परिसर स्थित वट वृक्ष में फेरे लेकर सूत लपेटा पति की लंबी उम्र के साथ परिवार के कल्याण के लिए वरदान मांगा। कथाओं में बताया गया है कि सती सवित्री की शादी सत्वान से तय थी। पं0 ननकू मिश्र के अनुसार परम ज्ञानी नारद ने विचार कर बताया कि सत्यावान की उम्र महज एक साल बची है। उसके बाद भी सवित्री की शादी सत्यवान से हो गई। एक वर्ष बीतने के बाद यमराज स्वयं सत्यवान को लेने देवलोक से आए। उस समय सावित्री वट वृक्ष के नीचे पति के उम्र की तपस्या कर रही थीं। सत्यवान को ले जाते समय सती सावित्री भी उनके पीछे—पीछे चलने लगी। यह देख यमराज ने पूंछा कि इनका जीवन समाप्त हो चुका है। धरती पर इन्हें अब रहने का हक नहीं है। फिर भी सावित्री पीछे—पीछे चलती रही। यमराज ने कहा कि वर मांगों। तब सावित्री ने यमराज से सत्यवान के जरिए सौ पुत्रों की मॉ बनने का वर मांगा। यमराज ने तथासतु कहकर सत्यवान को लेकर चलने लगे। उसके बाद भी सावित्री पीछे—पीछे चल रही थी। यमराज ने पूंछा आपको वर दे दिया तो क्यों आ रही हो देवी। सती सावित्री ने कहा कि आप इन्हें ले जा रहे हैं तो सौ पुत्रों का जन्म कैसे होगा। सावित्री के प्रण को देखकर यमराज ने सत्यवान के प्राण लौटा दिए। तब से लेकर सुहागिन महिलाएं वट वृक्ष के नीचे पूजन अर्चन करते सूत बांधकर पति के लंबी उम्र व परिवार के कल्याण की कामना करती हैं।

एलएलबी की परीक्षा में सचल दल ने चार नकलची पकड़े, हुए रिस्टीकेट

पहले ही दिन की परीक्षा में 24 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित

प्रतापगढ़। प्रो0 राजेंद्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एलएलबी की सम सेमेस्टर परीक्षाएं गुरुवार से प्रारंभ हुईं।परीक्षा के पहले ही दिन शहर स्थित एमडीपीजी कालेज में चार परीक्षार्थियों को महाविद्यालय के आंतरिक सचल दल ने नकल करते पकड़ा। जिन्हें रिस्टीकेट किया गया। प्राचार्य प्रो0 मनोज मिश्र के निर्देश पर परिसर के मुख्य गेट पर ही सघन तलाशी के बाद छात्र—छात्राओं को परिसर में प्रवेश करने दिया गया। परीक्षा कक्षों में भी महाविद्यालय के आंतरिक सचल दल द्वारा तलाशी ली गई। द्वितीय पाली की परीक्षा में तलाशी के दौरान कक्ष संख्या एक, पांच, सत्रह एवं कक्ष संख्या 23 में एक—एक नकलची नकल सामग्री के साथ पकड़े गए। महाविद्यालय के जन सूचना अधिकारी डॉ0 सी एन पांडे ने बताया की प्रथम पाली में एलएलबी सेकंड सेमेस्टर की परीक्षाएं सुबह 8 से 10 बजे के बीच, द्वितीय पाली में एलएलबी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षाएं 11रू30 से 1रू30 बीच तथा तृतीय पाली में षस्टम सेमेस्टर की परीक्षाएं 3 बजे से 5 तक संपन्न हुईं। प्रथम पाली में 329 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, 317 ने परीक्षा दी और 12 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। द्वितीय पाली में 320 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, 314 ने परीक्षा दी और छः अनुपस्थित रहे। जबकि तृतीय पाली में भी छः परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे और 314 ने परीक्षा दी। आंतरिक सचल दल में प्रो0 प्रदीप कुमार सिंह, डॉ0 डी के पांडेय, डॉ0 राजेंद्र प्रसाद मिश्र आदि शामिल रहे।

कुत्तों के काटने से हिरन की मौत

प्रतापगढ़, लालगंज। कुत्तों के काटने से हिरन की मौत हो गयी। सूचना पर पहुंचे वनकर्मियों ने हिरन को कब्जे में लेकर उसका अंतिम संस्कार किया। विकासखण्ड सांगीपुर क्षेत्र के रामनगर कोल मुस्तफाबाद में सई नदी किनारे गुरूवार को विचरण कर रहे एक हिरण को देख कुत्तों के झुण्ड ने उस पर हमला बोल दिया। कुत्तों के प्राणघातक हमले से गंभीर रूप से घायल होकर हिरन की मौत हो गयी। इसी बीच उधर से गुजर रहे कुछ चरवाहों ने कुत्तों द्वारा हिरन को नोंचते देखा तो उन्हें वहां से भगाया और इसकी सूचना गांव में दी। सूचना पर पहुंचे वनकर्मी मृतक हिरन के शव को लेकर चले गये। वन दरोगा रमेशचंद्र मिश्र ने बताया कि कुत्तों के काटने से हिरन की मौत हुई है। पीएम के बाद उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया है।

संक्षिप्त

युवती के साथ छेड़खानी करने के आरोपी की गोली मारकर हत्या

प्रतापगढ़। अंतू कोतवाली के बुद्धवार की शाम बिहारगंज बाजार से घर जाते समय लोहंगपुर की एक खास धर्म की युवती से विकास गौतम नामक युवक पर छेड़खानी का आरोप लगा था। युवक ने बताया गया युवक ने युवती पर धारदार हथियार से हमला भी किया था। युवती को जिला अस्पताल में पुलिस ने भर्ती कराया था। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही थी। गुरूवार को आरोपी युवक विकास का रक्त रंजिश शव घर के निकट पाया गया। गॉव वालों की बातों पर यकीन करें तो युवक को लडकी के परिजनों ने बुद्धवार की रात में ही गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस मामले की तहकीकात कर रही है।

जिला जज की अदालत ने हत्यारापी को उम्रकैद व तीस हजार के दण्ड की सुनाई सजा

प्रतापगढ़। जिला एवं सत्र न्यायाधीश अब्दुल राशिद की कोर्ट ने गुरूवार को हत्यारोपी को उम्र कैद व तीस हजार रू0 अर्थदण्ड से दंडित किया है। हत्यारोपी प्रहलादी पुत्र सर्यमणि उपाध्याय निवासी घोटाका मुफरीद थाना कंधई हत्या के मामले में आरोपी था। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान हत्यारोपी को दोष सिद्ध पाया। जिससे आरोपी को उम्रकैद व अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। मामले की पैरवी एडीजीसी राकेश सिंह, मुकदमे की विवेचना राम नरेश यादव व पैरोकारी रवि शंकर सिंह ने किया।

जमीनी विवाद के मामले में अधिवक्ता व दरोगा के बीच हंगामा

प्रतापगढ़, पट्टी। जमीनी विवाद को लेकर पट्टी तहसील के अधिवक्ता से कोतवाली में तैनात उपनिरीक्षक से गुरुवार को कहासुनी के दैरान हंगामा हो गया। मामले को लेकर कई अधिवक्ता कोतवाली पहुंच गए। कार्रवाई की मांग करते हुए कोतवाल को शिकायती पत्र सौंपा। तहसील क्षेत्र के रायपुर गांव में गुरुवार को दो पक्ष में जमीन का विवाद चल रहा था। दोनों पक्ष के अधिवक्ता भी मौजूद थे। मामले की सूचना पर पट्टी कोतवाली के एसआई सिपाहियों संग पहुंचे। दोनों पक्ष को कोतवाली बुलाया। मामला शांत कराने के प्रयास में एसआई की वकील से बहस हो गई। आरोप है कि जब पीड़ित पक्ष अधिवक्ता के साथ कोतवाली के निकट पहुंचा तो उसका शिकायती पत्र जबरन फाड़कर अधिवक्ता से विवाद का प्रयास किया गया। पीड़ित पक्ष ने कोतवाली में शिकायती पत्र देकर दरोगा पर धन उगाही का आरोप लगाकर कार्रवाई की मांग की है। साथी से विवाद की सूचना मिलने पर तहसील से कोतवाली में अधिवक्ता रवि सिंह, विपिन सिंह सहित अन्य लोग पहुंचे। कोतवाल आलोक कुमार सिंह ने मामले की जांच के बाद कार्रवाई का भरोसा दिया है।

13 जुलाई को होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के संबंध में न्यायिक अधिकारियों ने की बैठक

प्रतापगढ़। जिले में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 13 जुलाई को किया जाएगा। राष्ट्रीय लोक अदालत में लंबित वादों को सस्ते में एवं शीघ्र निस्तारित किया जता है। लोक अदालत के जरिये अधिक से अधिक लंबित मामले निस्तारित होने का लक्ष्य रखा गया है। लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जिला जज अब्दुल रशीद के निर्देश पर गुरुवार को न्यायिक अधिकारियों के बीच बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता नोडल अधिकारी लोक अदालत अजय कुमार ने की। नोडल अधिकारी ने सभी न्यायिक अधिकारियों से कहा कि अपने न्यायालय से अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण सुलह समझौते के माध्यम से करायें। ताकि आगामी 13 जुलाई को होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण सुलह समझौते के आधार पर किया जा सके। बैठक का संयोजन एडीजे सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुमित पंवार द्वारा किया गया। बैठक में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अर्चना तिवारी, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मीनाक्षी यादव, सिविल जज सी0डि0 सुमित कमार, सिविल जज सी0डि0 एफ0टी0सी0 भावना भारती एवं अन्य सभी न्यायिक अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला कारागार में होगी वाहनों की नीलामी

प्रतापगढ़। जिला कारागार अधीक्षक ऋषभ द्विवेदी ने बताया है कि 15 जून को जिला कारागार में सरकारी वाहनों की नीलामी की जाएगी। जिसमें यूपी—32 एन, 4653 महेन्द्रा जीप पंजीयन तिथि 15 मई 1996 व यूपी—72जी, 0017 मारूती ओमनी पंजीयन तिथि 29 मार्च 2006 है। उन्होंने बताया कि वाहनों की नीलामी 15 जून को सुबह 11 बजे कार्यालय अधीक्षक जिला कारागार में की जायेगी। इस सम्बन्ध में किसी भी कार्य दिवस में अधीक्षक जिला कारागार से सम्पर्क कर इसकी विस्तृत जानकारी ली जा सकती है। उन्होंने कहा कि जो भी क्रेता नीलामी में भाग लेना चाहते हो वह जिला जेल पहुँच कर नीलामी की बोली लगा सकते है।

08 से 25 जून के बीच कार्ड धारकों को दिया जाएगा राशन

प्रतापगढ़। जिला पूर्ति अधिकारी रीना कुमारी ने बताया है कि जून महीने का राशन पात्र कार्ड धारकों को 8 से 25 जून के बीच कोटेदारों द्वारा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत अन्त्योदय व पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को खाद्यान्न का वितरण ई—पॉस वेइंग मशींन के जरिये किया जायेगा। जिसमें अन्त्योदय कार्डो पर 14 किग्रा0 गेहूँ व 21 किग्रा0 चावल एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारक को प्रति यूनिट 02 किग्रा0 गेहूँ व 03 किग्रा0 चावल का निःशुल्क वितरण किया जायेगा। इसके अलावां अन्त्योदय कार्डधारकों को अप्रैल से जून का कुल 03 किग्रा0 चीनी रूपये 18 प्रति किग्रा0 की दर से भी दिया जायेगा। जिन पात्रों का आधार प्रमाणीकरण नहीं हो पाएगा उन्हें मोबाइल ओ0टी0पी0 वेरीफिकेशन के जरिये 25 जून को दिया जाएगा।डीएसओ ने कहा कि खाद्यान्न के वितरण में पोर्टेबिलिटी ट्रान्जेक्शन की सुविधा उपलब्ध रहेगी। विक्रेता अपने उपलब्ध स्टॉक की सीमा तक पोर्टेबिलिटी ट्रान्जेक्शन कर सकेंगे। अन्त्योदय कार्डधारकों को चीनी के सम्बन्ध में पोर्टेबिलिटी की सुविधा नहीं मिलेगी। लाभार्थी अपनी मूल दुकान से ही चीनी प्राप्त कर सकेंगे। वितरण के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की शिकायत सडीएम, जिला पूर्ति अधिकारी, क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी, पूर्ति निरीक्षकों से एवं टोल फ्री नम्बर, 1800—1800—150 एवं 1967 पर की जाएगी।

राशन वितरण को लेकर ग्रामीणों ने एसडीएम को सौंपा शिकायती प्रार्थना पत्र

प्रतापगढ़, लालगंज। गांव के निलम्बित कोटे में डम्प राशन के वितरण कराए जाने को लेकर गुरूवार को तहसील पहुंचकर ग्रामीणों ने एसडीएम को शिकायती प्रार्थना पत्र सौंपा। विकासखण्ड सांगीपुर अन्तर्गत राहाटीकर गांव का कोटा अनियमितता के चलते निलंबित किया गया है। मामले में ग्रामीणों ने कोटेदार के खिलाफ अनियमितता की शिकायत की थी। कोटा निलंबन की जानकारी होने के बाद गुरूवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण लालगंज तहसील पहुंचे।

संक्षिप्त

चेक गणराज्य में रेल दुर्घटना में चार यात्रियों की मौत, 23 घायलः अधिकारी

चेक गणराज्य में एक यात्री रेलगाड़ी और एक मालगाड़ी के बीच टक्कर में कम से कम चार यात्रियों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। गृह मंत्री विट रकुसन ने बताया कि इस दुर्घटना में कम से कम 23 यात्री

घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि यह घटना बुधवार देर रात प्राग से लगभग 100 किलोमीटर पूर्व में पर्डूबिस शहर में हुई। गृह मंत्री ने बताया कि यात्री रेलगाड़ी निजी कंपनी 'रेजियोजेट' की थी। परिवहन मंत्री मार्टिन कुप्का ने बताया कि प्राग और देश के पूर्वी भाग के बीच प्रमुख रेल लाइन पर परिचालन को बंद करना पड़ा है, अधिकारी इस घटना की जांच कर रहे हैं। प्रधानमंत्री पेट्र फियाला ने दुर्घटना को एक बड़ी त्रासदी बताया और मारे गए लोगों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

भारतीय नागरिक ने फोन प्रदाताओं, बीमा कंपनियों से धोखाधड़ी का जुर्म कबूला

अमेरिका के न्यूजर्सी की एक अदालत में भारतीय मूल के एक नागरिक ने फर्जी पहचान के जरिए विभिन्न फोन प्रदाताओं और बीमा कंपनियों से लाखों अमेरिकी डॉलर की धोखाधड़ी करने के गुनाह को कबूल किया है। इस मामले को लेकर एक विज्ञप्ति में कहा गया कि आरोपी ने 'सेलुलर' उपकरणों को बदलने के लिए झूठे दावे प्रस्तुत किए और फिर उन उपकरणों को अमेरिका के बाहर बेच दिया। अमेरिकी अटॉर्नी फिलिप आर. सेलिंगर ने बताया कि नेवार्क संघीय अदालत में अमेरिकी जिला न्यायाधीश मैडलिन कॉक्स आर्लियो के समक्ष संदीप बेंगरा (36) ने दो आरोपों को स्वीकार किया। एक आरोप ई–मेल के जरिए धोखाधड़ी करने की साजिश रचने का है और दूसरा आरोप चोरी की संपत्ति के अंतरराज्यीय हस्तांतरण की साजिश का है। बयान के अनुसार आरोपी ने स्वीकार किया कि बदले गए उपकरणों की कीमत 90 लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक थी। विज्ञप्ति में कहा गया कि उसे सजा 10 अक्टूबर 2024 को सुनाई जाएगी।

मछली पकड़ने वाली नाव में विस्फोट होने से लगी आग, चालक दल के छह सदस्यों की मौत

फिलिपीन के सूबू प्रांत में समुद्र में मछली पकड़ने वाली एक नाव में विस्फोट होने से आग लग गई, जिससे चालक दल के कम से कम छह लोगों की मौत हो गई जबकि अन्य छह को सुरक्षित बचा लिया गया। तटरक्षक अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। तटरक्षक अधिकारियों ने बताया कि बुधवार रात सेबू प्रांत के नागा शहर के पास एफध्बी किंग ब्रायन नामक नाव में विस्फोट होने से आग लग गई थी। उन्होंने बताया कि नाव के कप्तान सहित जीवित बचे चालक दल के सदस्यों का अस्पताल में इलाज जारी है। अधिकारियों ने कहा कि वे इतने सदमे में हैं कि जांचकर्ताओं को यह नहीं बता पा रहे हैं कि नाव में आग कैसे लगी। तटरक्षक ने बताया कि उनमें से एक की हालत गंभीर है और उसे सेबू के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तटरक्षक अधिकारियों ने बताया कि नाव का इंजन खराब हो गया था जिसके बाद उसमें आग लग गई, जिससे चालक दल के सदस्य घायल हो गए तथा अन्य लोग घबराहट के कारण समुद्र में कूद गए। पास से गुजर रही एक टगबोट ने आग बुझाने में मदद की।जिसके बाद तटरक्षक के अधिकारियों ने खोज–बचाव अभियान शुरू किया।

डेनमार्क, यूनान, पाकिस्तान, पनामा और सोमालिया को यूएन सुरक्षा परिषद में मिलेगी सीट

डेनमार्क, यूनान, पाकिस्तान, पनामा और सोमालिया को बृहस्पतिवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में गुप्त मतदान के बाद सुरक्षा परिषद में सीट मिलेगी। कुल 193 सदस्यों वाले विश्व निकाय (यूएन) की सुरक्षा परिषद में दो साल के कार्यकाल के लिए पांच देशों को चुनने के वास्ते मतदान होना है। 15 सदस्यीय परिषद में दस अस्थायी सीट क्षेत्रीय समूहों को आवंटित की जाती हैं जो आमतौर पर अपने उम्मीदवारों का चयन करते हैं, लेकिन कभी–कभी किसी एक पर सहमत नहीं हो पाते हैं।

गाजा के स्कूल पर इजराइली हमले में 30 लोगों की मौत, पांच बच्चे भी शामिल

देर अल–बला। बृहस्पतिवार को मध्य गाजा में एक स्कूल पर इजरायली हमले में पांच बच्चों सहित कम से कम 30 लोग मारे गए। इजराइली सेना ने कहा कि इस स्कूल का इस्तेमाल हमास के अड्डे के रूप में किया जा रहा था। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह हमला तब हुआ जब सेना ने कहा कि वह मध्य गाजा में नए हवाई और जमीनी अभियान शुरू कर रही है और एक अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा समूह ने हताहतों की संख्या में वृद्धि की सूचना दी है। अस्पताल के रिकॉर्ड और अस्पताल में एसोसिएटेड प्रेस के एक संवाददाता के अनुसार, देर अल–बला में अल–अक्सा शहीद अस्पताल में स्कूल पर हमले की वजह से कम से कम 30 शव मिले और एक घर पर अलग से किए गए हमले के बाद छह और शव मिले। इससे पहले हमास द्वारा संचालित मीडिया ने स्कूल पर किए गए हमले में अधिक संख्या में लोगों के मारे जाने की सूचना दी थी। इजराइली सेना ने कहा कि उसके लड़ाकू विमानों ने फलस्तीनियों को सहायता प्रदान करने वाली संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी द्वारा संचालित स्कूल पर हमला किया। एजेंसी को 'यूएनआरडब्ल्यूए' के नाम से जाना जाता है। इजराइली सेना ने दावा किया कि 'हमास' और 'इस्लामिक जिहाद' संगठनों ने अपनी गतिविधियों के लिए स्कूल का इस्तेमाल ढाल के रूप में किया। हालांकि, सेना ने तत्काल इसका कोई सबूत पेश नहीं किया। गाजा में 'यूएनआरडब्ल्यूए' स्कूल युद्ध की शुरुआत से ही आश्रय के रूप में काम कर रहे हैं। इस युद्ध के कारण 23 लाख से अधिक फलस्तीनियों की अधिकांश आबादी विस्थापित हो गई है। इजराइली सेना ने दावा किया, हमले के दौरान निर्दोष नागरिकों को नुकसान पहुंचने के जोखिम को कम करने के लिए हमला करने से पहले कई कदम उठाए गए थे, जिनमें हवाई निगरानी करना और अतिरिक्त खुफिया जानकारी शामिल हैं। नुसेरात शरणार्थी शिविर गाजा पट्टी के मध्य में है। यह मध्य गाजा में बना एक फलस्तीनी शरणार्थी शिविर है जो 1948 के अरब–इजराइल युद्ध के समय

से है। युद्ध की शुरुआत सात अक्टूबर को इजराइल पर हमास के हमले से हुई जिसमें कम से कम 1,200 लोग मारे गए और 250 अन्य लोगों को बंधक बनाया गया। गाजा पट्टी में इजराइली सैन्य अभियान में कम से कम 36,000 फलस्तीनी मारे गए हैं, जबकि इजराइली कब्जे वाले 'वेस्ट बैंक' में अभियानों में सैकड़ों अन्य मारे गए हैं।

पाक प्रधानमंत्री बीजिंग पहुंचे, निवेश बढ़ाने और संबंध मजबूत करने पर शी चिनफिंग से चर्चा करेंगे

बीजिंग। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने, देश को आर्थिक संकट से उबारने के लिए और सहायता के अनुरोध तथा निवेश की संभावनाओं चर्चा करने के लिए बीजिंग पहुंच चुके हैं और उपरोक्त मुद्दों को लेकर वह चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और अन्य नेताओं के साथ बातचीत करेंगे। चार जून से चीन की पांच दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर आए शरीफ ने बुधवार को अत्याधुनिक शहर शेनझेन का दौरा किया और निवेशकों की बैठक को संबोधित किया। पाकिस्तान की सरकारी समाचार एजेंसी 'एपीपी' की खबर के अनुसार यहां अपने प्रवास के दौरान शरीफ शी चिनफिंग, प्रधानमंत्री ली क्यांग और अन्य नेताओं से मुलाकात करेंगे। वह पाकिस्तान–चीन संबंध और व्यापार कार्यक्रम में भी भाग लेंगे और चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) परियोजनाओं पर काम कर रही प्रमुख चीनी कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के साथ बैठक करेंगे। खबर में बताया गया कि दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को लेकर कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जाने की उम्मीद है।

मोदी 3.0: शपथ ग्रहण को भव्य बनाने की तैयारी, पड़ोस के इन देशों को न्यौता

मोदी 3.0 सरकार के गठन की तैयारी तेज हो गई है। अब एनडीए की तीसरे कार्यकाल का शपथ ग्रहण समारोह है तो नजारा भी भव्य होना चाहिए। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए श्रीलंका और बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देशों के नेताओं को बुलाने की तैयारी कर ली गई है। लोकसभा चुनाव में 293 सीटों के साथ भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की जीत के बाद, मोदी प्रधानमंत्री के रूप में अपने ऐतिहासिक लगातार तीसरे कार्यकाल की शपथ लेने के लिए तैयार हैं। सूत्रों के मुताबिक, मोदी

के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए बांग्लादेश, श्रीलंका, भूटान, नेपाल और मॉरीशस की प्रमुख हस्तियों को निमंत्रण दिया जाएगा। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के मीडिया कार्यालय ने पुष्टि की कि मोदी ने उन्हें शपथ ग्रहण समारोह के लिए निमंत्रण दिया है। विक्रमसिंघे ने निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। इसमें कहा गया कि विक्रमसिंघे ने फोन पर मोदी को चुनावी जीत पर बधाई दी। इसमें कहा गया। बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति विक्रमसिंघे को अपने शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया। मोदी ने बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से भी फोन पर बातचीत की है। राजनयिक सूत्रों ने बताया कि फोन पर बातचीत में मोदी ने हसीना को अपने शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया और उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया। ऊपर बताए गए लोगों ने कहा कि नेपाली प्रधान मंत्री पुष्प कमल दहल श्प्रचंडश, भूटान के प्रधान मंत्री शेरिंग टोबगे और मॉरीशस के प्रधान मंत्री प्रविंद जुगनौथ को मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया जाना तय है। मोदी ने प्रचंड से अलग से फोन पर बातचीत की है। क्षेत्रीय समूह सार्क (दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन) देशों के नेताओं ने मोदी के पहले शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया जब उन्होंने भाजपा की भारी चुनावी जीत के बाद प्रधान मंत्री के रूप में बागडोर संभाली।

प्रसिद्ध पत्रकार,कवि और साहित्यकार तथा शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव का काव्य संग्रह श्प्रकृतिष लोकरंजन प्रकाशन द्वारा प्रकाशित किया गया है और अमेजन पर उपलब्ध है।

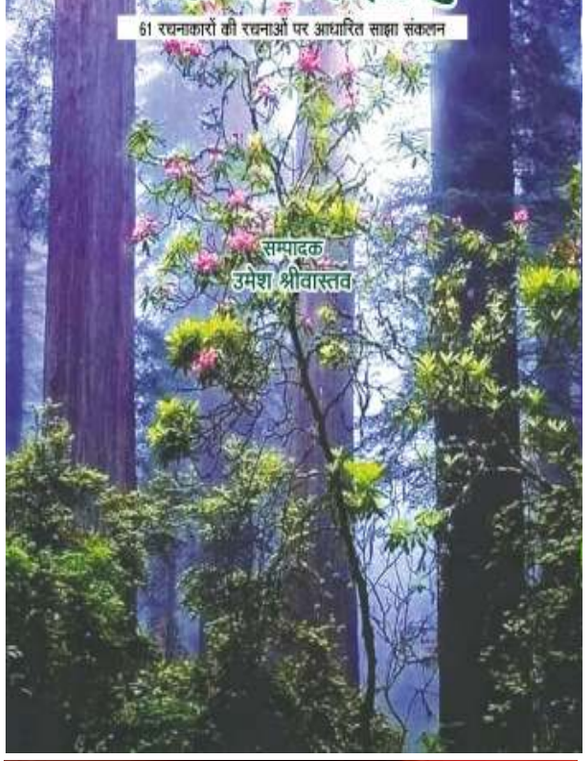

तालिबान ने महिलाओं समेत 63 लोगों को मारे कोड़े, संयुक्त राष्ट्र ने की कड़ी निंदा

अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएएमए) ने बुधवार को सारी पुल प्रांत में तालिबान द्वारा एक दर्जन से अधिक महिलाओं सहित 60 से अधिक लोगों को सार्वजनिक रूप से कोड़े मारे जाने की निंदा की। यूएनएएमए ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक बयान में कहा कि अफगानिस्तान के अधिकारियों ने मंगलवार को कम से कम 63 लोगों को कोड़े मारे। संयुक्त राष्ट्र कार्यालय ने इसकी कड़ी निंदा करते हुए अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दायित्वों का सम्मान करने के लिए कहा। तालिबान के उच्चतम न्यायालय ने एक बयान में 14 महिलाओं समेत 63 लोगों को सार्वजनिक रूप से कोड़े मारे जाने की पुष्टि की। इन लोगों पर अप्राकृतिक यौन उत्पीड़न, चोरी और अनैतिक संबंधों जैसे अपराधों में शामिल होने का आरोप लगाया गया था। उन्हें एक खेल स्टेडियम में कोड़े मारे गए। तालिबान ने एक उदार शासन देने के वादों के बावजूद, 2021 में फिर से सत्ता पर काबिज होने के बाद सार्वजनिक रूप से कठोर दंड देना शुरू कर दिया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

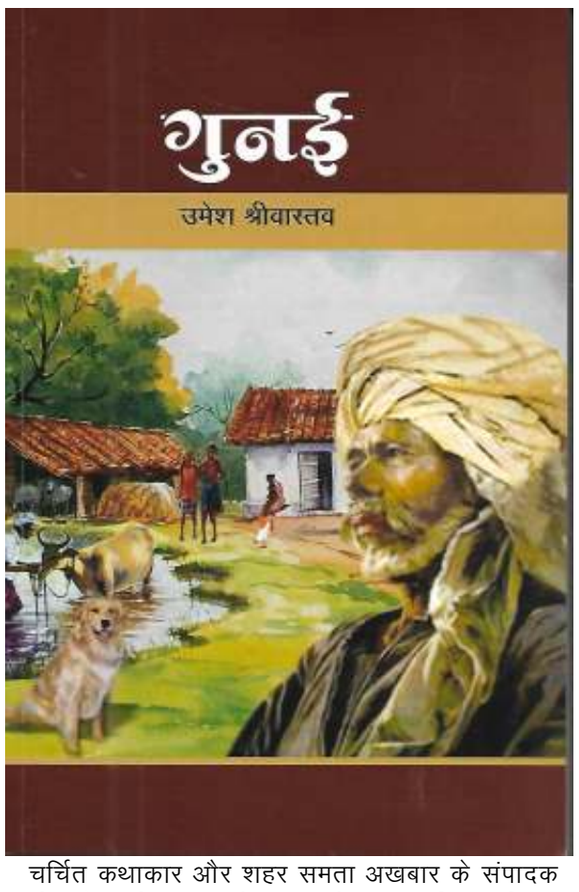

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

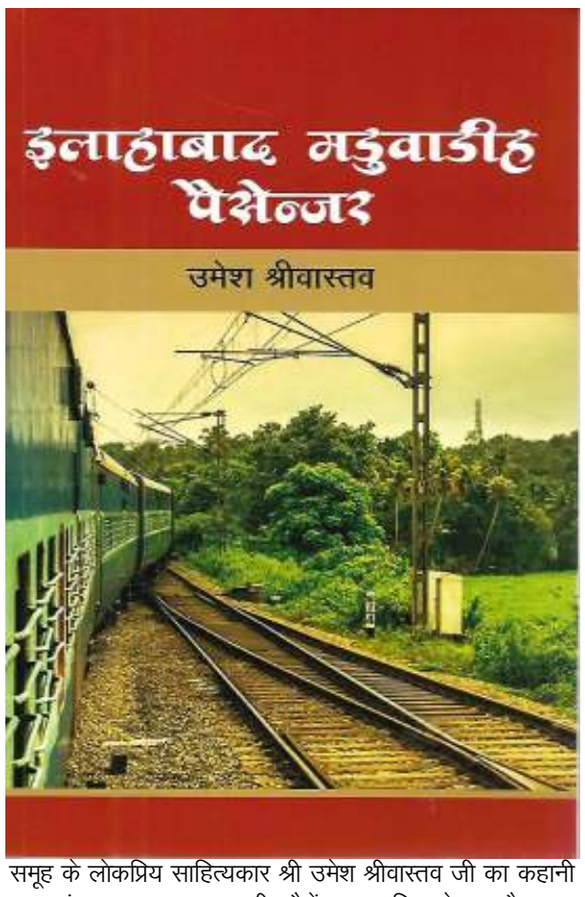

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

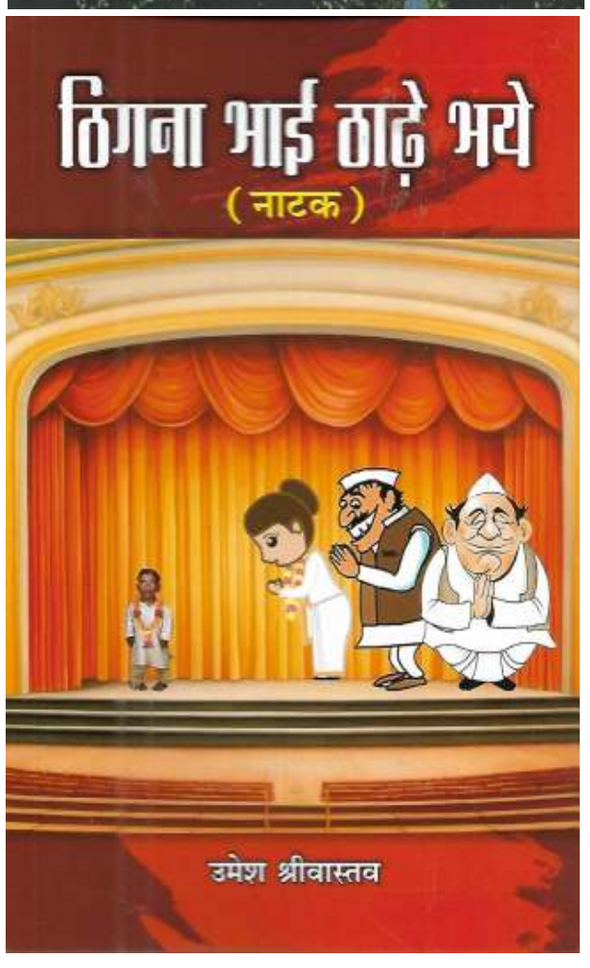

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)